MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-21 ❖ मुंबई ❖ रविवार 15 से 21 मई 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

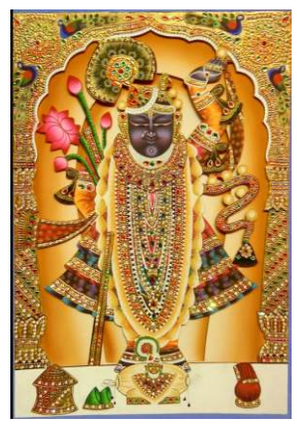

पेज 3

DNA टेस्ट से साबित हुआ रेप पीड़िता किशोरी का बच्चा आरोपी का नहीं, पोक्सो केस में मिली रिहाई

पेज 5

राहुल एडुकेशन को पूरे देश मे धीरे धीरे पहुँचाने का प्रयास है।- अनिल दावड़ा

पेज 7

जंगली पिक्चर्स ने अपनी नई फ्रेंचाइजी का किया एलान, इस हाई कॉन्सेप्ट थ्रिलर 'क्लिक शंकर' का निर्देशन करेंगे बालाजी मोहन

पेज 8

रिषभ शर्मा की बतौर हीरो पहली फ़िल्म, 'नाराधम' का मुहूर्त के साथ शूटिंग शुरु

एक नजर

निधि छिब्बर सीबीएसई की अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र द्वारा किये गए एक प्रशासनिक फेरबदल के तहत वरिष्ठ नौकरशाह निधि छिब्बर को शुक्रवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ कैडर की 1994 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी छिब्बर फिलहाल भारी उद्योग मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर तैनात हैं। मणिपुर कैडर के 1993 बैच के आईएएस अधिकारी विवेक कुमार देवांगन को ऊर्जा मंत्रालय में आरईसी लिमिटेड का अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक बनाया गया है। वह फिलहाल ऊर्जा मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर तैनात हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त सचिव एस गोपालाकृष्णन को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है।

आप नेता अमानतुल्ला 'खराब चरित्र' घोषित

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान को जामिया नगर क्षेत्र का 'हिस्ट्री शीटर' और 'बेड कैरेक्टर' (बीसी) घोषित किया गया है। एक आधिकारिक दस्तावेज से इसका खुलासा हुआ। दक्षिण पूर्वी जिले के जामिया नगर पुलिस थाने द्वारा 28 मार्च को खान को 'खराब चरित्र' घोषित करने का प्रस्ताव भेजा गया था जिसे 30 मार्च को मंजूरी दी गई। दस्तावेज में कहा गया कि खान के विरुद्ध कुल 18 प्राथमिकी दर्ज है। इस बीच दिल्ली के साकेत कोर्ट ने अमानतुल्ला खान को प्रदर्शन वाले मामले में जमानत दे दी है।

नीट-पीजी-22 परीक्षा तय समय पर ही कराई जाएगी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने डॉक्टरों की याचिका पर नीट्पीजी-2022 परीक्षा स्थगित करने से शुक्रवार को इनकार करते हुए कहा कि विलंब करने से डॉक्टरों की अनुपलब्धता होगी और मरीजों की देखभाल पर गंभीर असर पड़ेगा। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि परीक्षा स्थगित करने से 'अराजकता और अनिश्चितता' की स्थिति पैदा होगी और छात्रों के एक बड़े वर्ग पर इसका असर पड़ेगा।

'मैं भी हिंदी बोलता हूं', एक देश, एक संविधान

एक भाषा की नीति लागू हो, संजय राउत की अमित शाह से अपील

मुंबई: तमिलनाडु के शिक्षामंत्री के पोनमुडी ने हिंदी भाषा का अपमान करते हुए कहा कि हिंदी बोलने वाले पानीपुरी बेचते हैं। यह उनकी भाषा है। उनके इस बयान से देशभर के लोगों में गुस्सा है। इस विवाद में अब शिवसेना नेता संजय राउत भी कूद पड़े हैं। इस मुद्दे पर राउत ने केंद्रिय गृहमंत्री अमित शाह (Amit Shah) से मांग की है कि देश में अब एक देश, एक संविधान, एक भाषा का नियम लागू किया जाए। पोनमुडी पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा कि हिंदी देश में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है। इसलिए सभी को हिंदी का आदर और सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा मैं और मेरी पार्टी भी हिंदी भाषा का सम्मान करती है। संसद में बोलने का मौका मिलता है तब मैं हिंदी में ही बात करता हूँ। ताकि मेरी बात देश के सभी लोगों तक पहुंच सके। इसलिए हिंदी का सम्मान जरूरी है। लिहाजा अमित शाह को मेरी मांग पर ध्यान देना चाहिए।

उद्धव ठाकरे की विशाल जनसभा

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के बीकेसी इलाके में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की आज विशाल जनसभा होनी है। इस सभा में उद्धव ठाकरे आखिर क्या बोलेंगे? इस पर शिवसेना के सहयोगी दल और विपक्षी पार्टियों की भी निगाहें टिकी हुई हैं। इसी बीच राउत ने एक ट्वीट भी किया है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा है, 'लगता है फिर से उतरना पड़ेगा मैदान में दोबारा। कुछ लोग भूल गए हैं अंदाज हमारा। जय महाराष्ट्र आज क्रांतिकारी दिवस'।

तमिलनाडु के मंत्री ने क्या बोला था?

तमिलनाडु के शिक्षामंत्री पोनमुडी ने शुक्रवार को हिंदी के संदर्भ में एक विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि हिंदी भाषा बोलने वाले लोगों को नौकरी मिलो होती तब वह लोग यहां आकर पानीपुरी क्यों बेचते?

उन्होंने यह बयान एक सार्वजनिक कार्यक्रम में दिया था। जिसमें वहां के राज्यापाल भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में मंत्री महोदय ने यह सवाल भी किया था कि पानीपुरी कौन बेचता है। इस बयान की वजह से तनाव पैदा हो गया है।

... अब कानून के लिए 'लड़ाई' की शुरुआत

■ सुप्रीम कोर्ट में पहले दिन प्रैक्टिस करने पहुंचे राजेश्वर सिंह

■ सीजेआई कोर्ट में था पहला केस

'लॉ इंफोर्सर टू लॉ गिवरमेकर टू लॉ इंटरप्रेटर' पुलिस की नौकरी करने वाले राजेश्वर सिंह पर ये लाइनें बिल्कुल सटीक बैठती हैं। कानून का पालन करवाने वाले और कानून लागू करने वाले अब कानून की लड़ाई का हक पूरा करने के लिए भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट के रूप में नई पारी शुरू की है। करीब 20 साल से ज्यादा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की नौकरी करने वाले राजेश्वर सिंह पहले दिन वकालत करने सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। शुक्रवार को राजेश्वर सिंह बतौर एडवोकेट चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया कोर्ट नम्बर एक में अपने कैरियर के पहले केस में बहस की।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) और कांग्रेस को मुश्किल में डालने वाले प्रवर्तन निदेशालय के संयुक्त निदेशक रहे राजेश्वर सिंह यूपी के सुल्तानपुर जिले के पखरौली के मूल निवासी हैं। उन्होंने इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स धनबाद से इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट करने के साथ ही लॉ और ह्यूमन राइट्स में भी डिग्री ली है। लखनऊ में डिप्टी एसपी के रूप में तैनाती के दौरान उन्हें एनकाउंटर स्पेशलिस्ट माना जाता था। राजेश्वर सिंह 1996 बैच के पीपीएस अधिकारी हैं। लखनऊ में डिप्टी एसपी के रूप में पुलिस की नौकरी से कैरियर की शुरुआत की थी। वर्ष 2009 में राजेश्वर सिंह प्रतिनियुक्ति पर ईडी में चले गए थे। वहां भी उन्होंने कई महत्वपूर्ण केस साल्व किए। राजेश्वर सिंह ने ईडी में अपने कार्यकाल के दौरान अफेंडर्स के तकरीबन 3000 करोड़ रुपए की परिसंपत्तियों को सीज किया। उनके नेतृत्व में ईडी ने 2जी स्पेक्ट्रम स्कैम में 223 करोड़, रेड्डी मामले में 1000 करोड़, एयरसेलमैक्सिस मामले में 750 करोड़, मधु कोड़ा मामले में तकरीबन 300 करोड़ के असेट्स सीज किए।

दे. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद खान को बेस्ट मीडिया पार्टनर अवार्ड से किया गया सम्मानित

मुंबई। केजेएम ड्रीम्ज एंटरटेनमेंट मिस एंड मिसेज इंडिया आईकॉनिक दिवा 2021 बेस्ट मीडिया पार्टनर अवार्ड से दे. मुंबई हलचल के संपादक श्री दिलशाद खान को श्रीमती कविता किशोर (केजेएम ड्रीम्ज एंटरटेनमेंट की संस्थापक और प्रबंध भागीदार) और श्री रेयांश शर्मा (केजेएम ड्रीम्ज एंटरटेनमेंट के पार्टनर) ने सम्मानित किया। बता दें कि केजेएम ड्रीम्ज एंटरटेनमेंट मिस एंड मिसेज इंडिया आईकॉनिक दिवा 2021 अवार्ड खूबसूरत शहर गोवा में आयोजित किया गया था। इस अवार्ड कार्यक्रम में भारत भर के प्रतियोगी ताज के लिए प्रतिस्पर्धा करने और सभी का दिल जीतने के लिए एक साथ आए। कविता किशोर व रेयांश शर्मा ने दे. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद खान द्वारा किये गये सामाजिक कार्यों का खुलेदिल से तारीफ किये। वहीं दिलशाद खान ने कहा कि मिस एंड मिसेज इंडिया आईकॉनिक दिवा 2021 अवार्ड के लिए मीडिया पार्टनर के रूप में केजेएम ड्रीम्ज एंटरटेनमेंट के साथ जुड़ना सम्मान की बात है।

दादरी : भूमाफिया की 135 बीघा जमीन कुर्क

भूमाफिया यशपाल तोमर के खिलाफ शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की गई। मेरठ पुलिस व प्रशासन की टीम ने भूमाफिया की दादरी तहसील क्षेत्र के गांव चिटहेरा में अलगअलग खसरा नम्बर की 135 बीघा जमीन कुर्क की है। गांव में मुनादी करा उक्त जमीन के साथ छेड़छाड़ न करने की हिदायत दी गई।

■ कुर्क जमीन की कीमत करीब 100 करोड़ रुपए

आरोपी ने कुर्क की गई जमीन को अपने तीन नौकरों के नाम करा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से मुआवजा उठा लिया था। जमीन कुर्क की कार्रवाई के दौरान मेरठ एएसपी, तहसीलदार, लेखपाल और क्विक रेस्पांस पुलिस के अलावा स्थानीय पुलिस बल भी मौजूद था। भूमाफिया यशपाल तोमर की तहसील दादरी क्षेत्र के गांव चिटहेरा माजरे के अलग-अलग खसरा संख्या में 135 बीघा जमीन थी। ये जमीन उसके नौकर कृष्णपाल, कर्मवीर व बेलू के नाम थी।

ज्ञानवापी सर्वे पर रोक से सुप्रीमइनकार

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी परिसर के सर्वेक्षण पर यथास्थिति बनाए रखने संबंधी अंतरिम आदेश पारित करने से फिलहाल इनकार कर दिया। अदालत ज्ञानवापी परिसर के सर्वेक्षण के खिलाफ एक मुस्लिम पक्ष की याचिका सूचीबद्ध करने के बारे में विचार करने को लेकर राजी हो गई।

■ सीजेआई ने कहा, मुझे विचार करने दीजिए। कागजात देखने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है

■ परिसर का सर्वेक्षण सभी पक्षों की सहमति के बाद आज से शुरू होगा

दूसरी ओर ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी परिसर मस्जिद के अंदर वीडियोग्राफी सर्वे का काम शनिवार को शुरू होगा। जिलाधिकारी कौशलराज शर्मा ने बताया कि इस सिलसिले में सभी संबंधित पक्षों के साथ बैठक के बाद यह फैसला किया गया। बैठक में मुस्लिम पक्ष के वकील भी मौजूद थे।

ज्ञानवापी मस्जिद मामले में मुस्लिम पक्ष की पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील हुजेफा अहमदी ने चीफ जस्टिस एनवी रमण, जेके माहेश्वरी और हिमा कोहली की बेंच को बताया कि वाराणसी स्थित परिसर में कराए जा रहे सर्वेक्षण के खिलाफ एक याचिका दायर की गई है। याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने को लेकर सीजेआई ने कहा कि मुझे विचार करने दीजिए। कागजात देखने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि मुझे कोई जानकारी नहीं है। मै ऐसा आदेश कैसे पारित कर सकता हूं मै पढ़ूंगा। मुझे विचार करने दीजिए। मुस्लिम पक्ष ने उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) कानून, 1991 और उसकी धारा चार का जिक्र किया, जो 15 अगस्त, 1947 को विद्यमान किसी भी उपासना स्थल के धार्मिक स्वरूप में बदलाव को लेकर कोई भी वाद दायर करने या कोई कानूनी कार्रवाई शुरू करने को लेकर प्रतिबंध का प्रावधान करती है।

सोनिया ने 'डर के माहौल' और 'ध्रुवीकरण' को लेकर पीएम पर साधा निशाना

कांग्रेस चिंतन शिविर

■ कहा, 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' का मतलब कुछ और नहीं, बल्कि अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित करना है

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने देश में 'डर के माहौल' और 'ध्रुवीकरण' को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा प्रहार किया और आरोप लगाया कि उनके 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' का मतलब कुछ और नहीं, बल्कि अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित करना एवं असल मुद्दों से ध्यान भटकाना है। उन्होंने कांग्रेस के 'नवसंकल्प चिंतिन शिविर' की शुरुआत के मौके पर पार्टी में बड़े सुधारों के लिए 'असाधारण फैसले' करने पर जोर दिया और पार्टी नेताओं का आह्वान किया कि वे 'विशाल सामूहिक प्रयासों के जरिये पार्टी में नई जान फूंकें, क्योंकि अब पार्टी का कर्ज उतारने का समय आ गया है। उनके संबोधन के बाद कांग्रेस के चिंतन शिविर की शुरुआत हुई।

सोनिया गांधी ने कहा, "चिंतिन शिविर हमें यह अवसर देता है कि हम देश के सामने खड़ी उन चुनौतियों पर चर्चा करें जो भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की नीतियों का परिणाम हैं।" कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, "यह स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री और उनके साथियों की ओर से 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' के जो नारे दिए जाते हैं उनका क्या मतलब है? इसका मतलब निरंतर ध्रुवीकरण और लोगों को डर एवं असुरक्षा के माहौल में रहने के लिए मजबूर करना है।" उन्होंने आरोप लगाया कि 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' का मतलब अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने, उनका उत्पीड़न करने और अक्सर उन्हें कुचलने से है, जो हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और हमारे गणराज्य के बराबर के नागरिक हैं।

'एक परिवार, एक टिकट' पर मंथन

अक्सर 'परिवारवाद' के आरोपों का सामना करने वाली कांग्रेस अब 'एक परिवार, एक टिकट' की व्यवस्था बनाने पर विचार कर रही है। हालांकि इस प्रस्ताव को सहमति मिलने की स्थिति में इसके साथ यह प्रावधान भी होगा कि एक परिवार के किसी दूसरे सदस्य को टिकट तभी मिलेगा, जब वह पार्टी के लिए कम से कम पांच साल तक काम करे। यह सुझाव भी है कि कोई भी व्यक्ति किसी पद पर पांच साल से ज्यादा समय तक नहीं रहे। अगर उसे पांच साल से ज्यादा समय तक पद पर रहना है, तो उसके लिए तीन साल का 'कूलिंग पीरियड' हो और फिर वह उस पद पर आ सके।

पार्टी महासचिव अजय माकन के अनुसार चिंतन शिविर में चर्चा के लिए 'एक परिवार, एक टिकट' का प्रस्ताव आया है। संगठन की विभिन्न समितियों में युवाओं के लिए 50 प्रतिशत जगह आरक्षित करने, एक पद पर किसी व्यक्ति के लगातार पांच साल से ज्यादा नहीं रहने की व्यवस्था तय करने के प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा। कांग्रेस के 'एक परिवार, एक टिकट' के प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने की स्थिति में गांधीनेहरू परिवार से राहुल गांधी के साथ प्रियंका गांधी वाड्रा के अगला लोकसभा चुनाव लड़ने का रास्ता साफ रहेगा।

रेप तो रेप है

मैरिटल रेप से जुड़ी याचिकाओं पर बुधवार को आया दिल्ली हाईकोर्ट का बंटा हुआ फैसला उन लोगों के लिए निराशाजनक है, जो धारा 375 के तहत पत्नी से रेप करने वालों को मिली कानूनी सुरक्षा खत्म कराने की लड़ाई लड़ रहे हैं। दो जजों की बेंच के फैसले में एक जज ने इस कानूनी सुरक्षा को असंवैधानिक बताते हुए इसे संविधान की धारा 14, 15, 19 (1) और 21 का उल्लंघन करार दिया, लेकिन दूसरे जज को यह पूरी तरह तर्कसंगत लगा। धारा 375 के इस प्रावधान के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ उसकी सहमति के बगैर सेक्शुअल रिश्ता बनाता है और पत्नी की उम्र 18 साल से कम नहीं है तो इसे कानूनन अपराध नहीं माना जाएगा। स्वाभाविक ही स्त्री-पुरुष समानता के पक्षधर इस कानूनी प्रावधान को खत्म करके शादी के रिश्ते को ज्यादा न्यायपूर्ण बनाने का आग्रह कर रहे हैं। यह जद्दोजहद सिर्फ भारत में नहीं बल्कि कई और देशों में चली और चल रही है। ब्रिटेन 1991 में ही मैरिटल रेप को अपराध घोषित कर चुका है। कई अन्य देश भी इस कानूनी प्रावधान से मुक्त हो चुके हैं। इसे बरकरार रखते हुए भारत दरअसल बांग्लादेश, नाइजीरिया, ईरान और सऊदी अरब जैसे देशों की श्रेणी में खड़ा दिखाव आ जाएगा और यह पतियों को प्रताड़ित करने का एक साधन बन जाएगा। हालांकि बाद में सरकार ने अदालत से कहा कि वह अपने इस रुख पर पुनर्विचार कर रही है। इसके बाद भी उसने कोर्ट से यही कहा कि इस मुद्दे को महज एक कानूनी प्रावधान की संवैधानिक वैधता के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए क्योंकि देश के लिए इसके दूरगामी कानूनी और सामाजिक निहितार्थ होंगे। अपना रुख तय करने के लिए सरकार कोर्ट से और वक्त मांगती रही, जिस पर कोर्ट को कहना पड़ा कि अगर आप चाहते हैं, हम इस मामले पर सुनवाई अनिश्चित काल के लिए टाल दें तो ऐसा नहीं होने वाला।

ध्यान रहे कि विवाहेतर संबंधों को कानूनन अपराध न माने जाने संबंधी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान भी केंद्र सरकार का स्टैंड यही था कि इससे विवाह संस्था की पवित्रता को खतरा पैदा हो जाएगा। सरकार के ऐसे रुख को देखते हुए साफ है कि मैरिटल रेप जैसे मसले पर विधायिका और कार्यपालिका से किसी सार्थक पहल की उम्मीद नहीं की जा सकती। ऐसे में जेंडर जस्टिस के लिहाज से न्यायपालिका ही समाज की आखिरी उम्मीद बचती है।

राजद्रोह कानून पर रोक

किरीट ए. चावड़ा

आखिर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कड़ा रुख अपनाते हुए अंग्रेजों के समय से चले आ रहे राजद्रोह कानून पर रोक लगा दी। कोर्ट ने कह दिया कि जब तक केंद्र सरकार इस कानून पर पुनर्विचार कर रही है, तब तक इसके तहत कोई नया मामला दर्ज करना ठीक नहीं होगा। राजद्रोह के जो मामले लंबित हैं, वे भी पुनर्विचार प्रक्रिया पूरी होने तक के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। यह भी कहा गया है कि इन मामलों में जेल में बंद आरोपी राहत के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं। अपने इन निर्देशों के जरिए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि एक आजाद और लोकतांत्रिक देश में इस तरह के कानून को चलने नहीं दिया जा सकता। कोर्ट के रुख की अहमियत इस बात से और बढ़ जाती है कि अपने स्टैंड में प्रगतिशील बदलाव का संकेत देने के बावजूद केंद्र सरकार आखिर तक इस कानून को बनाए रखने की कोशिश करती ही नजर आई। शुरू में इस कानून पर पुनर्विचार की जरूरत से भी इनकार करने वाली सरकार ने बाद में जरूर कहा कि वह इसके प्रावधानों पर दोबारा विचार करेगी, लेकिन तब भी उसने इसे खत्म करने की बात नहीं कही। वह पुनर्विचार को लेकर कोई समयसीमा भी कोर्ट के सामने नहीं रख सकी। इतना ही नहीं जब कोर्ट ने साफ-साफ पूछा कि क्या पुनर्विचार का काम पूरा होने तक इस कानून के तहत नए मामले दर्ज कराना बंद किया जा सकता है तो सरकार को यह भी ठीक नहीं लगा। वह बमुश्किल इस बात के लिए तैयार हुई कि नए मामले एसपी लेवल के ऑफिसर की इजाजत से ही दर्ज कराए जाएंगे।

जाहिर है, सरकार इस तथ्य की गंभीरता को नहीं समझ पाई कि इस कानून के लगातार दुरुपयोग से देश में नागरिक अधिकारों को किस कदर चोट पहुंच रही है। 2016 से 2019 के बीच ही इस कानून के तहत दर्ज मामलों की संख्या 160 फीसदी बढ़ गई, जबकि दोषी सिर्फ 3 फीसदी निकले। एक मामले में तो इलाहाबाद हाईकोर्ट को यह टिप्पणी करनी पड़ी कि 'भारत की एकता बांसों-बल्लियों की बनी नहीं है कि खोखले नारों सरीखे हवा के झोंके से हिलने लगेगी। अपने देश की बुनियाद बहुत मजबूत है।' वास्तव में देखा जाए तो अंग्रेजों के समय के इस कानून का लगातार इस्तेमाल देश की बुनियाद को मजबूत करने के बजाय कमजोर करता आया है। लोकतंत्र में असहमति और असंतोष को सेफ्टीवॉल्व कहा गया है, लेकिन यह कानून असहमति के इसी भाव को दबा रहा है। भले सरकारें इस बात को नहीं समझ पाईं कि गुलामी के दौर का यह कानून लोकतंत्र के लिए धब्बा बन चुका है, सुप्रीम कोर्ट ने इस बात को समझा और इसके इस्तेमाल पर उसने फिलहाल रोक लगा दी है।

'अग्निपथ' से बच पाएगी पलटन की इज्जत?

गणेश पाण्डेय

भारतीय सेना में सबसे ज्यादा सुना जाने वाला शब्द है, पलटन की इज्जत। पलटन की इज्जत की खातिर सैनिक हर मुसीबत का सामना करता है और जान देने से भी पीछे नहीं हटता। सेना में पिछले दो साल से सैनिकों की भर्ती बंद है। सरकार ने इसकी वजह कोरोना को बताया है। सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे युवा सड़कों पर उतरकर बार-बार पूछ रहे हैं कि भर्ती कब शुरू होगी। सेना में इस वक्त करीब एक लाख पद खाली हैं और हर साल रिटायरमेंट के बाद करीब 60-65 हजार सैनिकों के पद खाली हो जाते हैं। अब जब कोविड को लेकर लगभग सभी प्रतिबंध हट गए हैं, तो क्या सेना में भर्ती शुरू होगी? इसका कोई साफ जवाब नहीं दे रहा है लेकिन अग्निपथ योजना की चर्चाएं तेज हैं। प्रस्तावित अग्निपथ योजना में सीमित समय के लिए सेना में सैनिकों की भर्ती की जाएगी। प्रस्ताव है कि सैनिकों को जिन्हें अग्निवीर कहा जाएगा, वे तीन से पांच साल के लिए सेना में रहेंगे। जितने अग्निवीर होंगे उन्हीं में से करीब 50 फीसदी को सेना में परमानेंट किया जा सकता है और बाकी तीन या पांच साल में सेना से बाहर हो जाएंगे। अग्निपथ योजना के पक्ष में तर्क दिए जा रहे हैं कि इससे बहुत बचत होगी जिसका इस्तेमाल सेना के आधुनिकीकरण में किया जा सकेगा, क्योंकि इतने कम समय के लिए सेना में रहेंगे तो उन्हें पेंशन नहीं दी जाएगी। अभी सेना के बजट का एक बड़ा हिस्सा पेंशन में चला जाता है।

इससे अनुमान लगाए जा रहे हैं कि अब सेना में जो भर्ती होगी वह पहले की तरह न होकर इस अग्निपथ योजना के जरिए ही हुआ करेगी। हालांकि सरकार की तरफ से अभी इसका कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। लेकिन चर्चाओं के बीच ही कई सवाल भी हैं। सेना के रिटायर्ड अधिकारी भी सवाल उठा रहे हैं। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि तीन साल के लिए सेना में आने वाले युवक सेना को कितनी मजबूती दे पाएंगे? क्या वह पलटन की इज्जत के पीछे का भाव समझ और जज्ब कर पाएंगे? क्या उनमें उतनी ही बॉन्डिंग हो पाएगी जो किसी पलटन में होती है? रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बीच तो यह सवाल और भी मौजूं हो उठता है। कई एक्सपर्ट्स कह चुके हैं कि रूस अगर इस युद्ध में पीछे दिख रहा है तो इसके पीछे एक वजह उसके खराब क्वॉलिटी के सैनिक भी हैं। रूस के ज्यादातर सैनिक कंपलसरी सर्विस वाले हैं। वे अच्छे से ट्रेंड नहीं हैं। उनकी अनुभवहीनता और मनोबल में कमी की भी कई रिपोर्ट्स आईं। क्या अग्निपथ योजना के जरिए भारतीय सेना भी उसी तरफ बढ़ रही है? अगर हां, तो क्या खर्च कम करने का यह सही तरीका माना जा सकता है?

याद होगा जब सरकार ने तीन कृषि कानून लागू किए थे तो उसका जमकर विरोध हुआ था।

लंबे आंदोलन के बाद वे कानून वापस ले लिए गए। तब कहा गया था कि सरकार ने इन्हें लागू करने से पहले किसानों की राय नहीं जानी। इसी तरह अगर भारतीय सेना के लिए अग्निपथ है तो सेना के अनुभवी लोगों की राय की एकदम अनदेखी नहीं की जा सकती। अगर कुछ दिक्कतें हैं तो उन्हें दूर करने पर विचार कर ही इस पर आगे बढ़ा जाना चाहिए। जो युवा सेना में महज तीन साल के लिए आएंगे क्या वह रिस्क लेने के लिए पूरी तरह तैयार होंगे? उनकी ट्रेनिंग किस तरह की होगी?

अभी तो सैनिकों की करीब 44 हफ्ते की ट्रेनिंग होती है। अगर अग्निवीर की ट्रेनिंग में कमी आई तो इसका सीधा असर सेना की क्षमता पर ही पड़ेगा। सैनिक ट्रेनिंग के साथ ही अनुभव से भी काफी कुछ सीखते हैं। 6-7 साल के अनुभव के बाद वे मच्योर हो जाते हैं। लेकिन तीन साल के लिए ही सेना में रहने वाले युवा कितना अनुभव ले पाएंगे? यह स्कीम युवाओं के लिए सेना का रोमांच अनुभव करने के लिए भले ही सही हो लेकिन सेना के लिए यह कितनी सही है, इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

जीरो वेस्ट की दिशा में कैसे बढ़ेगा हिंदुस्तान

भूपेन्द्र पटेल

दिल्ली की भलस्वा लैंडफिल में सुलगती आग बुझाए नहीं बुझ रही है। लैंडफिल या जगह-जगह इकट्ठे कूड़े में आग की समस्या से सिर्फ दिल्ली नहीं जूझती, देश के ज्यादातर इलाकों में ऐसी घटनाएं आए दिन सामने आती रहती हैं। इस सुलगती समस्या के पीछे छुपे मूल कारण को समझने और सुलझाने की सख्त जरूरत है। यह एक कड़वा सच है कि जिस तेजी से देश में कूड़े का ढ़ेर बढ़ रहा है, कूड़ा प्रबंधन उतना ही सुस्त है। विश्व बैंक की 'What A Waste 2.0' रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि देश में हर साल 27.71 करोड़ टन कूड़ा निकलता है। यह साउथ एशिया देशों का 80 फीसदी कूड़ा है। दुनिया भर का 13 फीसदी कूड़ा सिर्फ भारत में ही पैदा होता है। कूड़ा प्रबंधन नीति, साधन और जागरूकता का अभाव ही है कि कुल कूड़े का लगभग 77 फीसदी हिस्सा खुले में फेंका जाता है। सिर्फ 5 फीसदी कूड़ा रीसाइक्लिंग के लिए पहुंचता है और 18 फीसदी कूड़े को कंपोज किया जाता है।

आने वाले समय में स्थिति और खराब होने वाली है। विश्व बैंक की रिपोर्ट यह भी बताती है कि वर्ष 2030 तक 38.78 करोड़ टन और 2050 तक 54.33 करोड़ टन कूड़ा भारत में पैदा होगा। विश्व बैंक के आंकड़े बताते हैं कि इस समय दुनिया भर से लगभग 2 अरब टन कूड़ा निकलता है। 2050 तक यह 3.4 अरब टन हो जाएगा। चिंताजनक बात यह है कि अविकसित देशों में

90 फीसदी कूड़ा प्रबंधन नहीं हो पाता है। कूड़ा प्रबंधन में होने वाली खामियों का सीधा असर पर्यावरण पर पड़ता है। भारत में कूड़ा प्रबंधन के नाम पर अभी तक ज्यादातर कूड़े को खुले में डालने और जलाने का तरीका ही अपनाया जाता है। इससे देश में प्रदूषण स्तर के साथ-साथ ढेरों समस्याएं भी बढ़ रही है। स्विस ऑर्गनाइजेशन की 'वर्ल्ड एयर क्वॉलिटी रिपोर्ट 2020 के मुताबिक दुनिया के 30 सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में से 22 भारत में ही हैं। अस्थमा, कैंसर, अविकसित बच्चों की पैदाइश, इंफर्टिलिटी आदि के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कई अध्ययन इसका सीधा संबंध वायु प्रदूषण से जोड़ रहे हैं। जेएनयू की एक रिपोर्ट बताती है कि लैंडफिल में जमा कूड़े में जिंक, लेड, निकल, क्रोमियम जैसे जहरीले पदार्थ होते हैं। रिस कर ये हमारे ग्राउंडवाटर तक पहुंच जाते हैं। पानी के साथ ही ये मिट्टी को भी जहरीला बना रहे हैं। भारत भर में मौजूद लगभग 1700 लैंडफिल में से ज्यादातर कूड़े से भर चुके हैं। सही प्रबंधन के अभाव में यहां ढेरों समस्याएं पैदा हो रही हैं। आग लगना ऐसी ही एक समस्या है। समय की मांग है कि कूड़ा प्रबंधन के काम में कोताही ना बरती जाए। शुरुआत हम घर से कर सकते हैं। घरों में गीले-सूखे और खतरनाक कूड़े को अलग-अलग करके कूड़ा प्रबंधन में एक अहम रोल अदा कर सकते हैं। चीजों को फेंकने की बजाय उसे ठीक कराना, कूड़े को दोबारा इस्तेमाल करने योग्य बनाना, पेपरवर्क की जगह तकनीक के इस्तेमाल जैसे कुछ तरीके हैं जिनसे कूड़ा कम किया जा सकता है। कई विकसित देशों ने इन्हीं तरीकों से अपने कूड़ा प्रबंधन को गति दी है। इस मामले में जर्मनी ने लीड ली हुई है। वहां हर साल 10 लाख टन कूड़ा कम हो रहा है। स्वीडन भी जीरो वेस्ट की दिशा में बड़ा काम कर रहा है।

हालांकि भारत सरकार ने दो अक्टूबर 2014 को देश में स्वच्छ भारत मिशन शुरू किया था। कूड़े से निपटने के लिए इसके तहत अभी तक कई कारगर कदम उठाए गए हैं। 20 शहरों को वेस्ट फ्री करने की शुरुआत की गई है। कई शहरों जैसे सूरत, पूना, एलीपी-केरल, बोबीली-आंध्र प्रदेश में कूड़ा निपटारे को लेकर काफी अच्छे काम चल रहे हैं। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2014 में जहां 18 फीसदी वेस्ट प्रोसेस किया जाता था, वर्ष 2021 में यह 70 फीसदी तक पहुंच गया है। इसे 100 फीसदी तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन मंजिल बहुत दूर है, और इसे पाने के लिए सरकार के साथ-साथ हमें भी कूड़े की छंटनी से लेकर इसे कम से कम करने के तरीकों पर ध्यान देना होगा।

प्राइवेट नहीं... सरकारी अस्पताल में करवाना होगा इलाज

अनिल देशमुख को कोर्ट से झटका

मुंबई: महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को मुंबई सेशंस कोर्ट से तगड़ा झटका लगा है। दरअसल अनिल देशमुख ने अदालत से निजी अस्पताल में इलाज करवाने की इजाजत मांगी थी। हालांकि अदालत ने उनकी याचिका को ठुकराते हुए मुंबई के सरकारी अस्पताल में इलाज करवाने का आदेश दिया है। आपको बता दें कि अनिल देशमुख के बाएं कंधे में दर्द है। जिसका वह निजी अस्पताल में ट्रीटमेंट करवाना चाहते थे। कोर्ट ने कहा कि उन्हें निजी अस्पताल में इलाज करवाने की जरूरत नहीं है। दरअसल अनिल देशमुख ऑर्थर रोड जेल में गिर गए थे। जिसकी वजह से उनके बांया कंधा डिसलोकेट हो गया है। वहीं नवाब मलिक को भी अदालत ने निजी अस्पताल में इलाज की इजाजत दे दी है।

अनिल देशमुख आरोप

अनिल देशमुख को ईडी ने पिछले साल दिवाली के समय पर गिरफ्तार किया था। तबसे लेकर अभी तक देशमुख जेल में कैद हैं। परमबीर सिंह के संगीन आरोपों के बाद उन्हें अपनी कुर्सी से इस्तीफ़ा देना पड़ा था। देशमुख पर बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वझे के जरिये वसूली करवाने का आरोप लगा था। यह भी आरोप है कि उन्होंने फर्जी कंपनियों के जरिये अपने ट्रस्ट में फंड ट्रांसफर करवाया था।

नवाब मलिक को भी इजाजत

महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक को विशेष पीएमएलए कोर्ट ने भले ही जमानत नहीं दी। लेकिन उन्हें निजी अस्पताल में इलाज करवाने की इजाजत जरूर मिल गई है। इलाज के दौरान उनके साथ उनकी एक बेटी भी रह सकती हैं। नवाब मलिक की मेडिकल बेल एप्लीकेशन को अदालत ने नामंजूर कर दिया है। नवाब मलिक कुर्ला स्थित क्रिटी केयर अस्पताल में इलाज करवाएंगे। इस दौरान अस्पताल के बाहर पुलिस बंदोबस्त भी तैनात किया जाएगा। पुलिस बंदोबस्त में होने वाले खर्च की भरपाई नवाब मलिक से करवाई जाएगी।

मलिक की गिरफ़्तारी

नवाब मलिक को प्रवर्तन निदेशालय ने बीते फरवरी महीने में गिरफ्तार किया था। जिसके बाद अदालत ने उन्हें ईडी की कस्टडी में भेजा था। नवाब मलिक पर अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के गुर्गों से संबंध रखने और टेरर फंडिंग का आरोप लगाया गया था। इस मामले में मलिक के परिजनों से भी ईडी के अधिकारियों ने पूछताछ की थी। ईडी की जांच के दौरान नवाब मलिक और उनके अंडरवर्ल्ड कनेक्शन की जानकारी भी सामने आई थी। अदालत में अपनी जिरह के दौरान ईडी के वकील ने कहा था कि नवाब मलिक की हिरासत मिलना बहुत जरूरी है। जिसके बाद ही उनके अंडरवर्ल्ड संबंधों का खुलासा हो सकेगा।

DNA टेस्ट से साबित हुआ रेप पीड़िता किशोरी का बच्चा आरोपी का नहीं, पोक्सो केस में मिली रिहाई

स्पेशल पॉक्सो कोर्ट ने रेप के आरोपी 24 साल के एक व्यक्ति को रिहा कर दिया। दरअसल डीएनए सबूत से पता चला है कि आरोपी रेप पीड़िता किशोरी के बच्चे का पिता नहीं है।

मुंबई: स्पेशल पॉक्सो कोर्ट के सामने एक शख्स को रेप केस में झूठा फंसाने का मामला सामने आया है। कोर्ट ने रेप के आरोपी 24 साल के एक व्यक्ति को रिहा कर दिया। दरअसल डीएनए सबूत से पता चला है कि आरोपी रेप पीड़िता किशोरी के बच्चे का पिता नहीं है। क्योंकि आरोपी पर 2016 में 16 साल की किशोरी के साथ बार-बार बलात्कार करने और उसे गर्भवती करने का आरोप था।

इस पर स्पेशल पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी को बरी कर दिया। वहीं आरोपी ने कोर्ट से कहा कि उसे मामले में जान-बूझकर झूठा फंसाया गया।

स्पेशल पॉक्सो कोर्ट ने कहा कि मामले में अत्यधिक देरी (पुलिस को सूचना देने में)

और डीएनए रिपोर्ट को देखते हुए इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है कि आरोपी को गलत तरीके से फंसाया गया था। चूंकि डीएनए रिपोर्ट में आरोपी को शामिल नहीं किया गया है, इसलिए अभियोजन आरोप के साथ आरोपी

की निर्णायक सांठगांठ को साबित करने में विफल रहा है। संदेह का लाभ आरोपी के पक्ष में झुक जाता है।

एफआईआर के समय 7 महीने प्रग्नेंट थी किशोरी

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अदालत ने कहा कि एफआईआर के समय नाबालिग गर्भावस्था के सातवें महीने में थी, जबकि उसके माता-पिता को पता था कि वह गर्भवती है।

इसने कहा कि डीएनए रिपोर्ट से साबित होता है कि आरोपी का नाबालिग के साथ कोई यौन संबंध नहीं था और उसे सिर्फ कवर अप के लिए झूठा फंसाया गया था। मामले में मुखबिर लड़की की मां थी।

नाबलिग ने लिया था आरोपी का नाम

अभियोजन पक्ष के मामले के अनुसार, फरवरी 2017 में मां ने देखा कि नाबालिग का पेट बड़ा हो गया था और वह गर्भवती लग रही थी। इस पर टेस्ट के बाद उसके गर्भवती होने की पुष्टि हुई। शुरू में लड़की ने अपने माता-पिता को बच्चे के पिता की पहचान के बारे में बताने से इनकार कर दिया था। हालांकि, बाद में उसने आरोपी का नाम लिया और दावा किया कि वे तीन साल से रिश्ते में थे।

शेल्टर होम में नाबालिग ने बच्ची को दिया था जन्म

नाबालिग को सायन अस्पताल ले जाया गया, जहां पता चला कि वह गर्भावस्था के सातवें महीने में है। अभियोजन पक्ष ने कहा कि मार्च 2017 में एफआईआर दर्ज की गई थी। वहीं शेल्टर होम ले जाने के बाद नाबालिग ने एक बच्ची को जन्म दिया। सुनवाई के दौरान गवाही देने वालों में नाबालिग, उसकी मां और जांच अधिकारी शामिल थे। नाबालिग ने पुलिस को दिए गए बयान को दोहराया और कहा कि आरोपी के साथ वह रिश्ते में थी और गर्भवती हो गई।

2017 में अरेस्ट हुआ था आरोपी

उधर केस दर्ज होने के बाद आरोपी को नवंबर 2017 में ही गिरफ्तार कियागया था क्योंकि वह दुबई के लिए रवाना हो रहा था। एक महीने बाद नाबालिग की मां ने एक हलफनामा पेश किया जिसमें कहा गया था कि परिवारों ने आरोपी और लड़की की शादी के लिए सहमति दे दी थी, जिसके बाद उसे जमानत दे दी गई थी। हालांकि, बाद में डीएनए रिपोर्ट से पता चला कि आरोपी बच्चे का जैविक पिता नहीं था। सुनवाई के दौरान आरोपी ने कहा कि उसे झूठा फंसाया गया है।

राज का विरोध करने वाले ठाकुर से मुंबई भाजपा ने किया किनारा

मुंबई। मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के 5 जून के अयोध्या दौरे के विरोध का सुर अब उत्तर प्रदेश से महाराष्ट्र पहुंच गया है। मुंबई भाजपा प्रवक्ता संजय ठाकुर ने उत्तर प्रदेश के भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के राज के विरोध के सुर में सुर मिला लिया है। ठाकुर ने उत्तर भारतीयों की पिटाई के लिए राज को पत्र लिखकर माफी मांगने की मांग की है। हालांकि मुंबई भाजपा ने ठाकुर के बयान से किनारा कर लिया है। मुंबई भाजपा ने ठाकुर के बयान से अहसमति जताते हुए उनके बयान को व्यक्तिगत बताया है। वहीं ठाकुर ने पत्र में राज से मुंबई के फेरीवाले, टैक्सी चालक और मजदूरों से माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि वे माफी मांगते हैं तो मैं खुद उत्तर प्रदेश में जाकर राज का स्वागत करूंगा। जबकि पत्रकारों से बातचीत में ठाकुर ने कहा कि मैं मुंबई में रहकर ही राज का विरोध कर रहा हूं।

राज्यसभा चुनाव निर्दलीय मैदान में उतरेंगे संभाजी राजे, स्वराज्य संगठन का किया गठन

मुंबई। पूर्व सांसद छत्रपति संभाजी राजे राज्यसभा का चुनाव निर्दलीय लड़ेंगे। महाराष्ट्र की राज्यसभा की छह सीटों पर 10 जून को चुनाव होने वाला है। गुरुवार को संभाजी राजे ने पुणे में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में राज्यसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की। उन्होंने स्वराज्य के नाम से एक संगठन स्थापित कर दिया है। जो आगे चलकर राजनीतिक दल का रूप लेगा। संभाजी राजे ने कहा कि राज्यसभा की छह सीटों में से भाजपा 2, राकांपा 1, कांग्रेस 1 और शिवसेना 1 सीट पर आसानी से जीत सकती है। जबकि राज्यसभा की छठवीं सीट जीतने के लिए महाविकास आघाड़ी और भाजपा दोनों के पास कम वोट हैं। इसलिए मैं राज्यसभा की छठवीं सीट पर चुनाव लड़ूंगा।

स्कूल फीस भरने के लिए क्राउड फंडिंग से जुटाए एक करोड़

सैकड़ों बच्चों का स्कूल छूटने से बचाया, मुंबई की प्रिंसिपल ने किया कमाल

मुंबई: बच्चों की स्कूल की फीस भरने के लिए मां-बाप के अथक प्रयासों की कई कहानियां आपने सुनी होंगी। लेकिन आज हम मुंबई के एक स्कूल टीचर की कहानी आपके सामने पेश कर रहे हैं। जिन्होंने स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की फीस भरने के लिए क्राउड फंडिंग का तरीका आजमाया। कोरोना काल में जब लॉकडाउन लगाया गया था। तब उन्होंने क्राउड फंडिंग के जरिए तकरीबन एक करोड़ रुपए का चंदा इकट्ठा किया। यह दान देने वाले ज्यादातर एनजीओ और व्यक्तिगत लोग थे। मुंबई के पवई इलाके में मौजूद एक स्कूल में बतौर प्रिंसिपल काम करने वाले शिरले पिल्लई को खुद इस बात का अंदाजा नहीं था कि उनकी यह पहल इतनी कामयाब हो जाएगी। उन्होंने कहा कि बतौर टीचर यह उनके लिए बड़ी बात है।

उन्होंने कहा कि कोरोना (Corona) काल के दौरान अभिभावकों के अंदर बच्चों की शिक्षा और उनकी स्कूल फीस को लेकर उन्होंने एक चिंता देखी थी। शिरले पिल्लई पवई हाई स्कूल की प्रिंसिपल हैं।

अभिभावकों की छूटी नौकरी

27 मई 2021 को टाइम्स ऑफ इंडिया ने यह खबर प्रकाशित की थी कि कोरोना महामारी और लॉकडाउन की वजह से कई लोगों को अपनी नौकरियों से हाथ धोना पड़ा था। वहीं कई लोगों की तनख्वाह में भारी कटौती की गई थी। ऐसे में बच्चों की स्कूल फीस भर पाना काफी मुश्किल हो रहा था। इन्हीं सब को देखते हुए शिरले पिल्लई ने यह यह मुहिम छेड़ी थी। उन्होंने कॉर्पोरेट घरानों और अन्य

लोगों से तकरीबन 40 लाख का डोनेशन हासिल किया। जिससे 2021- 22 की फीस भरने के लिए काफी दिक्कतों का सामना कर रहे उन्होंने 200 बच्चों की साल 2019-20 की फीस भरी।

फरवरी महीने में 90 लाख का दान

पिल्लई ने बताया कि इस साल फरवरी महीने के दौरान डोनेशन की रकम 90 लाख तक हो चुकी थी। हालांकि पिछले महीने उन्होंने कुछ और अतिरिक्त कोशिश करने का फैसला किया। जब उन्हें यह पता चला कि 144 छात्रों के पेरेंट्स ने सत्र हैं।

उन्हें यह भी पता चला कि ऐसे कई अभिभावक हैं, जो फीस की वजह से काफी परेशान हैं। लिहाजा दोबारा डोनेशन देने वालों का दरवाजा खटखटाया। उनकी कोशिश थी कि गर्मियों की छुट्टियों के पहले फीस का बंदोबस्त हो जाए।

पिल्लई के मुताबिक इस बार भी लोगों ने दिल खोलकर दान दिया और हमें 61 लाख रुपये मिले। इन पैसों से 330 बच्चों की फीस भरी गई।

जंगल में बेहाल जिन्दगी जी रहे नक्सली

गड़चिरोली। जिला पुलिस विभाग की प्रभावी खोज मुहिम के कारण इन दिनों नक्सल आंदोलन लगातार बैकफुट पर जा रहा है। इसी कड़ी में गुरूवार को 12 लाख रूपए के इनामी नक्सल दंपति ने भी जिला पुलिस विभाग के समक्ष आत्मसमर्पण किया। इसके बाद सी-60 कमांडोस का मनोबल और अधिक बढ़ गया है। गुरूवार को जिला पुलिस अधीक्षक अंकित गोयल ने जानकारी देते हुए सरकारी नीतियों के तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों का पुनर्वास करने की जानकारी भी दी। आत्मसमर्पित नक्सलियों में छत्तीसगढ़ राज्य के नारायणपुर जिले के वक्कुर गांव निवासी कोलु ऊर्फ विकास ऊर्फ सुकांत विनोद पदा उम्र 27 साल और उसकी पत्नी एटापल्ली तहसील के जवेली बु निवासी राजे ऊर्फ डेबो जैराम उसेंडी उम्र 30 साल शामिल है।

वाहनों की पीयूसी जांच दर में बढ़ोतरी को मंजूरी

मुंबई। प्रदेश में वाहनों की पीयूसी (पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल) जांच दर में बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। शुक्रवार को प्रदेश के सहायक प्रादेशिक परिवहन अधिकारी सुधीर जायभाये ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वाहनों के पीयूसी जांच नई दर तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। इसके अनुसार दोपहिया वाहनों के पीयूसी जांच के लिए 50 रुपए देना पड़ेगा।

मुंबई में अब सिंगल प्लानिंग अथॉरिटी! कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे ने दिए संकेत

मुंबई: महानगर मुंबई की जिम्मेदारी जल्द ही सिंगल प्लानिंग अथॉरिटी के रूप में एक ही एजेंसी को मिल जाएगी। राज्य के कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे ने दक्षिण मुंबई में क्लाइमेंट चेंज पर चल रहे एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। संकेतों के मुताबिक, यह काम इस साल के अंत तक हो सकता है। बीएमसी को दिसंबर तक यह जिम्मेदारी दी जा सकती है। एमएमआरडीए समेत अन्य एजेंसियां अपने-अपने प्रॉजेक्ट्स करती रहेंगी।

मुंबई के प्रमुख के तौर पर महापौर का अधिकार बढ़ाने की भी तैयारी हो रही है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि मुंबई जैसे शहर को किसी सीईओ की बजाय जनता से चुने हुए महापौर

के जरिए चलाना ज्यादा बेहतर होगा। फिलहाल महापौर के पास ज्यादा अधिकार नहीं होते। बीएमसी के प्रशासनिक प्रमुख के तौर पर कमिश्नर ही पॉलिसी और प्रॉजेक्ट से जुड़े सभी फैसले करते हैं। मुंबई में सिंगल प्लानिंग अथॉरिटी की मांग बहुत पुरानी है।

क्या होती है सिंगल प्लानिंग अथॉरिटी

सिंगल प्लानिंग अथॉरिटी का मतलब है कि पूरे महानगर की देखरेख की जिम्मेदारी एक ही अथॉरिटी के पास होगी। इससे किसी भी काम के लिए उसे अन्य एजेंसियों से समन्वय करने की प्रक्रिया नहीं करनी पड़ेगी।

क्यों जरूरी है यह?

मुंबई जैसे बड़े महानगर में कई अथॉरिटीज होने से मंजूरी लेने में काफी समय चला जाता है। इससे प्रॉजेक्ट में देरी होती है। लागत भी बढ़ती है। कई बार अधिकारियों के विचार अलग होने से भी समन्वय करने में दिक्कत आती है।

मुंबई की प्रमुख प्लानिंग अथॉरिटीज बीएमसी, एमएमआरडीए, म्हाडा, एसआरए, बीपीटी, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, डिफेंस और रेलवे

जमानत नहीं लेकिन प्राइवेट अस्पताल में इलाज करवा सकेंगे नवाब मलिक

मुंबई कोर्ट से मिली आंशिक राहत

मुंबई: महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक को विशेष पीएमएलए कोर्ट ने भले ही जमानत नहीं दी। लेकिन उन्हें निजी अस्पताल में इलाज करवाने की इजाजत जरूर मिल गई है। इलाज के दौरान उनके साथ उनकी एक बेटी भी रह सकती हैं। नवाब मलिक की मेडिकल बेल एप्लीकेशन को अदालत ने नामंजूर कर दिया है। नवाब मलिक कुर्ला स्थित क्रिटी केयर अस्पताल में इलाज करवाएंगे। इस दौरान अस्पताल के बाहर पुलिस बंदोबस्त भी तैनात किया जाएगा। पुलिस बंदोबस्त में होने वाले खर्च की भरपाई नवाब मलिक से करवाई जाएगी।

फरवरी में गिरफ्तार हुए थे मलिक

नवाब मलिक को प्रवर्तन निदेशालय ने बीते फरवरी महीने में गिरफ्तार किया था। जिसके बाद अदालत ने उन्हें ईडी की कस्टडी में भेजा था। नवाब मलिक पर अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के गुर्गों से संबंध रखने और टेरर फंडिंग का आरोप लगाया गया था। इस मामले में मलिक के परिजनों से भी ईडी के अधिकारियों ने पूछताछ की थी। ईडी की जांच के दौरान नवाब मलिक और उनके अंडरवर्ल्ड कनेक्शन की जानकारी भी सामने आई थी। अदालत में अपनी जिरह के दौरान ईडी के वकील ने कहा था कि नवाब मलिक की हिरासत मिलना बहुत जरूरी है। जिसके बाद ही उनके अंडरवर्ल्ड संबंधों का खुलासा हो सकेगा।

मलिक की संपत्ति जब्त

नवाब मलिक फिलहाल मुंबई के आर्थर रोड जेल में कैद है प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनकी कई संपत्तियों को जब्त किया है। जब्त की गई संपत्तियों में कुर्ला वेस्ट में मौजूद गोवावाला कंपाउंड, एक व्यवसायिक भूखंड, महाराष्ट्र के उस्मानाबाद जिले में तकरीबन डेढ़ सौ एकड़ जमीन, कुर्ला वेस्ट में तीन फ्लैट और बांद्रा वेस्ट की दो प्रॉपर्टी जब्त की गई हैं।

भाजपा ने शरद पवार पर हिंदू विरोधी होने के लगाया आरोप, एनसीपी प्रमुख ने कविता के माध्यम से साधा निशाना

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई द्वारा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार के भाषण के एक वीडियो को संपादित कर ट्वीट करने और उन पर हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाने के एक दिन बाद गुरुवार को शरद पवार ने भाजपा पर एक कविता के माध्यम से निशाना साधा।पवार ने कविता के माध्यम से भाजपा पर साधा निशानाभाजपा पर निशाना साधते हुए पवार ने कहा कि वह एक कविता की पंक्तियां पेश कर रहे हैं जो कामगार वर्ग की पीड़ा को उजागर करती हैं, लेकिन जो गलत सूचनाएं फैलाना चाहते हैं वे इसके लिए स्वतंत्र हैं।भाजपा ने पवार के भाषण का वीडियो किया था जारीभाजपा की राज्य इकाई (@BJP4Maharashtra) ने सातारा में पवार के भाषण का एक वीडियो बुधवार को जारी किया था और दावा किया कि ''नास्तिक शरद पवार ने हमेशा हिंदू धर्म से नफरत की है'' और हिंदू देवी देवाताओं का अपमान किए बगैर उन्हें राजनीतिक सफलता हासिल नहीं होती।इस पर पवार ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा कि वह राठौर की कविता 'पत्थरवत' (स्टोन-कटर) की कुछ पंक्तियां पढ़ रहे हैं। सोशल मीडिया के कुछ यूजर्स ने कहा कि पवार जवाहर राठौर की एक कविता का जिक्र कर रहे हैं जो जातिवाद के मुद्दे से संबंधित है।इस कविता में मूर्तिकार कहता है कि उसने अपनी

छेनी से भगवान ब्रह्मा,विष्णु और महेश की मूर्तियां बनायी हैं और इन मूर्तियों को मंदिर में स्थापित किया गया है, लेकिन वह स्वंय मंदिर में नहीं जा सकता क्योंकि वह निचली जाति से है।राकांपा प्रमुख ने कविता पढ़ते हुए कहा, "पत्थर काटने वाला सवाल करता है कि क्या ब्रह्मा दुनिया के निर्माता हैं या हम (उनकी मूर्ति बनाने वाले) उनके पिता हैं।"एनसीपी प्रमुख ने भाजपा का नाम लिए बिना कहा, "इस कविता में कवि उन मजदूरों के दर्द को आवाज देता है जो इस बात से दुखी हैं कि उन्होंने चट्टान से मूर्तियां गढ़ी, लेकिन उन्हें मंदिर में प्रवेश करने से रोक दिया गया। कविता कामगार वर्ग के दर्द को उजागर करती है, लेकिन अगर कुछ लोग गलत सूचना फैलाना चाहते हैं, तो वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं।" उन्होंने कहा, "जब लोग देखेंगे कि यह कहां लिखा है, तो उन्हें यह किताब मिल जाएगी।" एनसीपी नेता और राज्य के आवास मंत्री जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि महाराष्ट्र में "परंपराओं की उपेक्षा करने की विरासत है जिसने 5,000 से अधिक वर्षों से लोगों को गुलाम बनाया।" उन्होंने कहा, 'पवार की आलोचना करने वालों को इसे नहीं भूलना चाहिए।"जनता जानती है कि गलत राजनेताओं को कैसे सबक सिखाया जाता: पवारइस बीच, पुरंदर में संवाददाता सम्मेलन में पवार ने यह भी कहा कि देश के लोग बुद्धिमान हैं और वे जानते हैं कि गलत राजनेताओं को कैसे सबक सिखाया जाता है। पवार ने कहा कि जब इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया, तो लोगों ने उन्हें अगले चुनावों में हरा दिया और मोरारजी देसाई और अटल बिहारी वाजपेयी को सत्ता दी। लेकिन जब यह स्पष्ट हो गया कि ये नेता सरकार नहीं चला सकते, तो लोगों ने फिर से इंदिरा गांधी को बागडोर दे दी।पाकिस्तान की आवाम हमारी विरोधी नहींएनसीपी के शरद पवार ने कहा कि मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि पाकिस्तान के आम लोग हमारे विरोधी नहीं हैं।

आपकी वेबसाइटों के लिए कोई वर्डप्रेस क्यों नहीं?

वर्डप्रेस अपनी तरह का एक अनूठा समाधान है जहां उपयोगकर्ता को वेबसाइट को कोड करने की चिंता नहीं होती है। सुंदर टेम्पलेट उपलब्ध हैं और पहले से ही डिज़ाइन की गई बहुत सारी थीम भी हैं। इन वेबसाइटों की कीमत भी बहुत अधिक नहीं है।

आपको प्रोग्रामर के रूप में कोई अनुभव होने की आवश्यकता नहीं है या सरल शब्दों में आपको तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं है।

अच्छी सुविधाओं के बावजूद मैं व्यक्तिगत रूप से इस तरह के समाधान का उपयोग करने की अनुशंसा नहीं करता, मुझे वर्डप्रेस के लिए कोई शिकायत या नापसंद नहीं है लेकिन पेशेवर डिजाइनर के रूप में हमें डिजाइनिंग के पूर्ण लचीलेपन की आवश्यकता है जो कोडिंग के माध्यम से किया जा सकता है।

मैं नीचे कुछ कारणों को सूचीबद्ध कर रहा हूं जिनके लिए मैं वर्डप्रेस पसंद नहीं करता।

सुरक्षा

चूंकि वर्डप्रेस का उपयोग करने वाली लाखों वेबसाइटें हैं, इसलिए वे कंप्यूटर हैकर्स के लिए एक स्पष्ट लक्ष्य हैं। यदि एक हैकर एक प्रणाली में भेद्यता पा सकता है, तो संभावना है कि यह कई अन्य में मौजूद है। इसके अलावा, रोबोट के रूप में (कंप्यूटर जो विभिन्न कारणों से इंटरनेट का पता लगाते हैं) यह निर्धारित कर सकते हैं कि साइट वर्डप्रेस द्वारा बनाई गई है या नहीं; एक बार भेद्यता मिल जाने के बाद, हर समान वेबसाइट पर इसका स्वचालित रूप से शोषण किया जा सकता है। एक बार वेबसाइट हैक हो जाने के बाद इसे ठीक करना बेहद मुश्किल हो सकता है।

प्लग-इन

प्लगइन्स संक्षेप में एक शानदार विचार है। प्रत्येक प्लगइन एक तृतीय-पक्ष डेवलपर द्वारा लिखित वर्डप्रेस का विस्तार है। वे प्रत्येक वर्डप्रेस में कार्यक्षमता जोड़ते हैं जो मूल प्रणाली में नहीं है। दुर्भाग्य से चूंकि इतने सारे लोगों द्वारा लिखे गए बहुत सारे प्लगइन्स हैं, कई लोगों की अपनी सुरक्षा कमजोरियां और समस्याएं हैं। शौक़ीन लोगों द्वारा अपनी साइट के लिए कुछ करने के लिए कई प्लगइन्स लिखे जाते हैं, वे मुफ्त में कोड जारी करते हैं और फिर इसके बारे में भूल जाते हैं।

विशेषताएँ

उपलब्ध हजारों प्लगइन्स विभिन्न प्रकार के विभिन्न कार्य कर सकते हैं, लेकिन समय आएगा जब प्लगइन्स या तो वह नहीं करेंगे जो एक ग्राहक चाहता है, या जिस तरह से वे इसे करना चाहते हैं। जब ऐसा होता है तो आप वर्डप्रेस की क्षमताओं के अंत तक पहुँच जाते हैं। विकल्प या तो एक समान प्लगइन चुनकर समझौता करना है, या खरोंच से एक नया प्लगइन बनाना है। पहला आदर्श नहीं है, और दूसरा मुश्किल हो सकता है और हमेशा लागत प्रभावी नहीं होता है।

खोज इंजन अनुकूलन (एसईओ) (SEO)

वर्डप्रेस के लिए बहुत सारे एसईओ प्लगइन्स हैं, और सही लोगों को चुनकर आप एक निश्चित स्तर के अनुकूलन को प्राप्त कर सकते हैं। हालाँकि, आपके पास कभी भी वह अच्छा नियंत्रण नहीं होता है जो आपको एक कस्टम वेबसाइट के साथ मिलता है, और इसलिए पूर्ण खोज इंजन अनुकूलन संभव नहीं है।

रफ़्तार

एक वेबसाइट की गति एसईओ के साथ-साथ सामान्य उपयोगकर्ता अनुभव को भी प्रभावित करती है। जैसा कि वर्डप्रेस वेबसाइटों की कई अलग-अलग शैलियों को पूरा करता है और इसमें बहुत सारी विशेषताएं हैं जो अक्सर अप्रयुक्त होती हैं, कोड बहुत 'फूला हुआ' होता है। इसका मतलब है कि आप सर्वर की आवश्यकता से बहुत अधिक कोड संसाधित कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि प्रत्येक पृष्ठ धीमा है और आप अपने सर्वर की सीमा तक बहुत तेज़ी से पहुंचेंगे।

एक bespoke वेबसाइट के फायदों में से एक यह है कि यह बिना किसी अनावश्यक ओवरहेड के ठीक वही कर सकता है, और इसलिए बहुत कुशलता से चलता है।

अनुकूलता

वेबसाइटों में त्रुटियां महत्वपूर्ण नहीं होनी चाहिए; क्या आपने कभी ऐसी वेबसाइट देखी है जो इंटरनेट एक्सप्लोरर में फ़ायरफ़ॉक्स से अलग दिखती है, या मोबाइल फोन पर अस्पष्ट दिखती है? वैसे यह कई वेबसाइटों में आम है, विशेष रूप से वर्डप्रेस जैसे सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके बनाई गई वेबसाइटों में।

वर्डप्रेस पर कस्टम निर्मित वेबसाइटों के साथ लाभ यह है कि, क्योंकि वे सरल और चरण-दर-चरण निर्मित हैं, यदि आवश्यक हो तो उन्हें सभी संस्करणों या सभी ब्राउज़रों के साथ संगत बनाया जा सकता है, सभी मोबाइल फोन पर काम किया जा सकता है और वर्तमान मानकों को मान्य किया जा सकता है। हालांकि यह वर्डप्रेस के साथ संभव है लेकिन इसे हासिल करना आमतौर पर बहुत कठिन होता है। यदि कोई वेबसाइट वास्तव में संगत है, तो यह स्वयं को अधिक व्यापक दर्शकों के लिए खोल देगी।

Wordpress सॉफ्टवेयर का एक शक्तिशाली टुकड़ा है जो वेब डिज़ाइन के न्यूनतम ज्ञान वाले लोगों को एक वेब साइट को जल्दी से स्थापित करने की अनुमति देता है। और व्यक्तिगत उपयोग के लिए यह नायाब है। हालांकि, व्यावसायिक उपयोग के लिए आपको यह सवाल करना होगा कि क्या नियमित रूप से हैक किए गए सॉफ़्टवेयर का उपयोग करना एक अच्छा विकल्प है, धीमा प्रदर्शन प्रदान करता है और लगातार तकनीकी ध्यान देने की आवश्यकता है।

WHO की चेतावनी: कोरोना के साथ बढ़ रहा है 'एक और महामारी' का खतरा, भारत सहित यूरोपीय देशों के आंकड़े चिंताजनक

पिछले दो साल से अधिक समय से वैश्विक स्वास्थ्य तंत्र कोरोना महामारी से निपटने में लगा हुआ है। कोरोना वायरस के तमाम वैरिएंट्स ने लोगों की सेहत के बुरी तरह से प्रभावित किया है, हालांकि इस समय दुनियाभर के लिए कोरोना ही अकेला खतरा नहीं है, कई और स्वास्थ्य समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। कुछ तो इतनी तेजी से बढ़ रही हैं जिसको लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने एक और महामारी का अलर्ट जारी कर दिया है। डब्ल्यूएचओ ने एक रिपोर्ट जारी करते हुए बताया है कि यूरोपीय देशों में मोटापे का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। डब्ल्यूएचओ की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2016 में यूरोपीय देशों के 59 फीसदी से अधिक वयस्कों का बॉडी-मास इंडेक्स (बीएमआई) सामान्य से अधिक था। कोरोना महामारी के दौरान इसमें और भी बढ़ोतरी आने के संकेत है। तेजी से बढ़ता वजन कई तरह के गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों का कारक माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वजन अधिक होने के कारण सेहत से संबंधित कई तरह की समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। इसे डायबिटीज, हृदय रोगों सहित कई अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के प्रमुख कारक के तौर पर देखा जाता रहा है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में जिस तरह से वैश्विक स्तर पर मोटापा बढ़ने की स्थिति के बारे में पता चलता है, वह निश्चित ही बड़ी चिंता का कारण है। विशेषज्ञों का कहना है कि सभी देशों को इस बढ़ते खतरे पर नियंत्रण पाने को लेकर योजना बनाने की आवश्यकता है, वरना यह एक बड़ी महामारी का रूप ले सकती है।

डब्ल्यूएचओ ने जताई चिंता

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट से पता चलता है कि साल 2016 में यूरोप में 59% वयस्कों का बॉडी-मास इंडेक्स (बीएमआई) औसत से अधिक था। रिपोर्ट के अनुसार तुर्की और यूनाइटेड किंगडम सहित अधिकांश यूरोपीय देशों में लोगों में अधिक वजन की समस्या देखी जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार मोटापा के कारण हर साल दो लाख से अधिक कैंसर के मामलों का निदान किया जा रहा है। इसके अलावा मोटापा जनित तमाम रोगों के कारण हर साल 1.2 मिलियन से अधिक लोगों की मौत हो जाती है।

मोटापे की दर 'घातक' स्तर पर

वैश्विक स्तर पर मिल रहे डेटा के

आधार पर डब्ल्यूएचओ ने चिंता जताते हुए कहा है कि अधिक वजन और मोटापे की दर 'घातक' स्तर पर पहुंच गई थी और इसमें लगातार बढ़ोतरी जारी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि कोई भी देश फिलहाल 2025 तक डब्ल्यूएचओ ग्लोबल नॉनकम्युनिकेबल डिजीज (एनसीडी) के तहत मोटापे की रोकथाम को लेकर बनाए गए लक्ष्य को पूरा करने की राह पर नहीं दिखता है। यूरोपीय देशों में स्कूल जाने वाला हर 3 में से एक बच्चा मोटापे का शिकार है, यह भविष्य के लिए बड़ी चुनौतियों का संकेत है।

आज का हेल्थ टिप्स: सिर्फ मीठी चीजें ही नहीं, डायबिटीज रोगियों के लिए यह आदतें भी हैं नुकसानदायक, बरतें सावधानी

डायबिटीज, वैश्विक स्तर पर बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे 'साइलेंट किलर डिजीज' के रूप में वर्गीकृत करते हैं, क्योंकि यह ब्लड शुगर बढ़ाने के साथ शरीर के कई अन्य अंगों को भी गंभीर क्षति पहुंचा सकती है। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत में साल 2021 तक 20-79 की आयु वर्ग वाले 74 मिलियन से अधिक लोग डायबिटीज के शिकार हैं। तेजी से बढ़ती इस समस्या के लिए आहार और जीवनशैली में गड़बड़ी को प्रमुख कारण माना जाता रहा है। एक आम धारणा के अनुसार ज्यादा मीठा खाना आपमें डायबिटीज के खतरे को बढ़ा सकती है, हालांकि सिर्फ इसे ही एक कारक मान लेना सही नहीं है। आपकी दिनचर्या की कई और आदतें भी डायबिटीज के जोखिम को बढ़ा देती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक डायबिटीज के जोखिम से बचे रहने के लिए आहार के साथ-साथ दिनचर्या को भी ठीक रखना बहुत आवश्यक होता है। हम सभी रोजाना जाने-अनजाने कई ऐसी चीजें करते रहते हैं जिसके कारण भी ब्लड शुगर का लेवल बढ़ सकता है। डायबिटीज रोगियों को इन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आइए आगे इस बारे में विस्तार से समझते हैं।

सुबह नाश्ता न करने की आदत

हम में से ज्यादातर लोग सुबह जल्दबाजी में नाश्ता नहीं करते हैं। इस आदत को स्वास्थ्य विशेषज्ञ ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाने वाला मानते हैं। डॉक्टर्स का कहना है कि जो लोग नाश्ता नहीं करते हैं, उनके दिन में कैलोरी और वसायुक्त चीजों के सेवन की संभावना अधिक होती है, यह दोनों चीजें शुगर के स्तर को बढ़ाने वाली मानी जाती हैं।

सुबह नाश्ता न करने की आदत पेट के लिए भी कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकती है। रात के 8-10 घंटे पेट खाली रहने के बाद सुबह कुछ न खाने से ब्लड शुगर के स्तर में तेजी से बढ़ोतरी होने का खतरा

रहता है।

ज्यादा तनाव लेने की आदत नुकसानदायक

शोध बताते जो लोग अधिक तनाव लेते हैं उनमें भी तेजी से ब्लड शुगर बढ़ने का खतरा हो सकता है। वैसे तो तनाव की स्थिति सीधे तौर पर मधुमेह का कारण नहीं बनती है, पर इसके कारण शरीर में होने वाले बदलाव के चलते डायबिटीज का खतरा बढ़ सकता है।

तनाव की स्थिति में शरीर 'कार्टिसोल' नामक हार्मोन रिलीज होता है जो इंसुलिन गतिविधि को प्रभावित कर सकता है। कुछ अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि कार्टिसोल के कारण रक्त शर्करा का स्तर भी तेजी से बढ़ सकता है। डायबिटीज के जोखिमों से बचे रहने के लिए तनाव को प्रतिबंधित करने वाले उपाय करते रहना आवश्यक माना जाता है। दिन भर बैठे रहने की आदत

एक ही स्थान पर लंबे समय तक बैठे रहने की आदत कई तरह की समस्याओं को बढ़ा देती है, डायबिटीज भी उनमें से एक है। लगातार बैठे रहने के कारण शारीरिक निष्क्रियता बढ़ती है जिसके कारण शुगर लेवल, थायराइड, हृदय रोग और कई अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम भी बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक बढ़ती शारीरिक निष्क्रियता कम उम्र में ही आपको कई ऐसी स्वास्थ्य समस्याओं का शिकार बना सकती है, जिसे सामान्यतौर पर उम्र बढ़ने के कारण होने वाली दिक्कतों के तौर पर जाना जाता है।

ये चार आदतें आपकी सुनने की क्षमता को कर सकती हैं प्रभावित, ऐसी गलतियों से बचें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, जीवनशैली की आदतें न सिर्फ आपके सुनने की क्षमता को प्रभावित कर देती हैं, साथ ही इसके कारण कानों को स्थायी क्षति होने का भी खतरा रहता है। हम रोजाना जाने-अनजाने कई ऐसे काम करते रहते हैं जिससे हमारी कानों की क्षमता पर नकारात्मक असर हो सकता है। विशेषज्ञ इन आदतों से बचाव करने की सलाह देते हैं। आइए आगे ऐसी ही कुछ गलत आदतों के बारे में जानते हैं, जिनसे सभी को बचाव करना चाहिए।

बहुत अधिक शोर या तेज आवाज में गाने सुनना

ध्वनि प्रदूषण को बहरेपन के सबसे सामान्य और प्रमुख कारणों में से माना जाता है। तेज आवाज में संगीत सुनना, हेडफोन-इयरफोन की आवाज को काफी अधिक रखना आदि कानों को गंभीर क्षति पहुंचा सकता है। हेडफोन-इयरफोन के कारण पिछले कुछ वर्षों में यह समस्या काफी तेजी से बढ़ती हुई देखी गई है। तेज आवाज के कारण कान के पर्दे पर अधिक दबाव पड़ता है जिसके कारण कई तरह की समस्याओं का जोखिम हो सकता है।

व्यायाम की कमी

गतिहीन जीवनशैली पूरे शरीर की क्षमता को नुकसान पहुंचाती है, कानों को भी इससे क्षति पहुंचने का जोखिम हो सकता है। व्यायाम की कमी, मधुमेह और रक्त संचार संबंधी परेशानियों को भी बढ़ा देती है, जिसके कारण कानों की समस्या बढ़ने का भी खतरा हो सकता है।

शोध बताते हैं कि जिन लोगों के आहार में कमी और गतिहीन जीवनशैली अधिक होती है, उनमें रक्त का संचरण प्रभावित हो सकता है, जिसका कानों की क्षमता पर भी नकारात्मक प्रभाव हो सकता है।

शुरुआती संकेतों को अनदेखा करना

कान, शरीर के सबसे संवेदनशील अंगों में से एक होते हैं, ऐसे में इनमें होने वाली किसी भी तरह की समस्या को अनदेखा नहीं करना चाहिए। कान में दर्द या आवाज आने जैसे संकेत आंतरिक समस्याओं की ओर इशारा हो सकते हैं, जिसपर गंभीरता से ध्यान देना आवश्यक हो जाता है। अगर इन शुरुआती संकेतों पर समय से ध्यान देकर इलाज करा लिया जाए तो बहरेपन के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह का प्रारंभ यात्राओं और मनोरंजन भरा रहेगा। लंबे समय से थकान और मानसिक चिंताओं से जूझ रहे हैं तो अब राहत मिलेगी। पारिवारिक मेलजोल बढ़ेगा। नए मित्रों से संपर्क होगा। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह शुभ है। सोचे सभी काम समय पर पूरे होंगे। नए कार्य व्यवसाय की रूपरेखा बनेगी। संपत्ति संबंधी कार्यों का निपटारा होगा।

वृषभ : परिवार में विवादित स्थिति बन सकती है। आप अपनी बात मनवाने के लिए किसी पर दबाव न डालें। दांपत्य जीवन में संकट आएगा। आर्थिक संकट बना हुआ है। बचत करने की आदत डालें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। नौकरी और व्यवसाय में परेशानी आ सकती है। मन लगाकर काम करें। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नए लोगों से भेंट होगी।

मिथुन : सप्ताह सुखद है। पुराने कार्य पूरे होंगे। नए कार्य प्रारंभ होंगे। नौकरीपेशा लोगों को भागदौड़ रहेगी। व्यापारियों को कार्य पर ध्यान देना होगा। भूमि, भवन, संपत्ति संबंधी कार्य होंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। पारिवारिक कार्यों में मन लगेगा। परिवार के साथ कहीं यात्रा पर जाने का समय आएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

कर्क : स्वास्थ्य के मामले में सप्ताह काफी दिनों बाद राहतभरा रहेगा। रोगों से मुक्ति मिलेगी या कम होंगे। इन पर हो रहा खर्च भी कम होगा। आर्थिक लाभ के अवसर आएंगे। परिवार के सहयोग से बड़ी योजना साकार होगी। मानसिक शांति रहेगी। नया कार्य प्रारंभ करना चाहते हैं तो अवश्य करें। नौकरीपेशा का स्थानांतरण हो सकता है। प्रेम संबंधों में सतर्क रहें।

सिंह : आपके लिए सप्ताह मिलाजुला रहेगा। पुराने संकटों से निजात मिलेगी। साथ ही आर्थिक लाभ के अवसर उत्पन्न होंगे। परिवार में सामंजस्य और सुख बना रहेगा। मांगलिक प्रसंगों में शामिल होंगे। शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। आपको सलाह है कि इस सप्ताह लंबी दूरी की यात्राएं न करें। बाहरी खानपान का ध्यान रखें।

कन्या : शारीरिक मानसिक रूप से परेशान रहेंगे। दांपत्य जीवन में अनबन बनी रहेगी। किसी कार्य के अपूर्ण रह जाने से दुख होगा। स्वजन के साथ गतिरोध स्वयं समाप्त करना होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। भूमि, संपत्ति के कार्य होंगे। वाहन सुख की प्राप्ति संभव है। प्रेम संबंधों को निकटता देने का प्रयास करें।

तुला : मानसिक रूप से थकान अनुभव करेंगे। यात्राएं होंगी, परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं की प्राप्ति होगी। अवसरों का लाभ लेने का प्रयास करें। मित्रों और सहयोगियों को अनदेखा न करें। सभी का सम्मान करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संतान की चिंता रहेगी। संतान को स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी आ सकती है।

वृश्चिक : अपने कार्य पर फोकस रखें। किसी के बहकावे में आकर मित्रों से शत्रुता न करें। विवादित स्थितियां बनेंगी लेकिन आपको उनसे बाहर निकलना होगा। परिवार को वक्त दें। समय का मान रखें। कार्यों को टालना भारी पड़ सकता है। नौकरीपेशा और व्यापारियों को तनाव और दौड़भाग अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु : सप्ताह दौड़भाग वाला रहेगा। पारिवारिक जरूरतों पर खर्च अधिक होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार के वरिष्ठजनों को पूर्ण सम्मान दें। संकट का समय कम हो रहा है। नौकरीपेशा को उच्चाधिकारियों से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यापारियों को कार्य विस्तार पर ध्यान देना होगा। आर्थिक लाभ के अवसर आएंगे।

मकर : दौड़भाग अधिक रहेगी। कार्य की अधिकता से नौकरीपेशा लोग परेशान रहेंगे। व्यापारियों को धन की आवश्यकता पड़ सकती है। संबंधों को निभाने के प्रति सजग रहें। सप्ताह में कुछ रिश्तों में तनावपूर्ण बात हो सकती है। दांपत्य जीवन में खटास होगी। आर्थिक मामले उलझ सकते हैं। परिवार को समय दें। अपनी ऊर्जा का भरपूर उपयोग करें।

कुंभ : अवसरों का लाभ उठाने का प्रयास करें। नौकरीपेशा को तरक्की के अवसर मिलेंगे। कारोबारी कार्य विस्तार करेंगे लेकिन किसी को पैसा उधार देते समय सावधानी रखें। किसी मित्र से विवाद हो सकता है। शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता-पिता का सम्मान और सुख दें। प्रेम संबंध बिगड़ सकते हैं। यात्राएं होंगी।

मीन : सप्ताह सामान्य है। शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे। किसी पुराने मित्र से अचानक भेंट हो सकती है। माता-पिता, परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। भूमि, भवन, संपत्ति, वाहन सुख की प्राप्ति संभव है। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। दांपत्य जीवन मधुरता आएगी। परिवार में मांगलिक और शुभ प्रसंग आएंगे। धन लाभ होगा।

चुटकुले

साली जी बड़ी ध्यान से बुक पढ़ रही थी....

जीजा जी- कौन सी किताब पढ़ रही हैं साली जी?

साली- लड़कियों का पालन पोषण कैसे करें

जीजा- क्यों क्या हुआ?

साली- मैं जानना चाहती हूं कि मेरा पालन-पोषण सही से हो रहा है या नहीं

पत्नी: सुनो आजकल चोरियां बहुत हो रही हैं। धोबी ने हमारे दो तौलिए चुरा लिए हैं।

पति: कौन से तौलिए?

पत्नी: अरे वही जो हम मनाली के होटल से उठाकर लाए थे।

राहुल एडुकेशन को पूरे देश मे धीरे धीरे पहुँचाने का प्रयास है।- अनिल दावड़ा

मीरा रोड में स्थित 'राहुल इंटरनेशनल स्कूल' को नई बुलंदियों पर पहुँचाने के लिए पिछले 2 वर्षों से ज्यादा समय से बहुमुखी प्रतिभाशाली अनिल दावड़ा प्रयत्नशील है, जो कि राहुल एडुकेशन को देशभर में पहुँचाने में लगे है। जिसके तहत पुणे में तीन नई शाखाएं शुरू हुई है। अब बोरीबली, नाशिक, नागपुर इत्यादि में जल्द ही राहुल के स्कूल खुलेंगे और जल्द ही पूरे भारत मे इसे पहुँचाने में लगे है इनके बिज़नेस हेड अनिल दावड़ा।अनिल दावड़ा मुंबई में ही पढ़ाई इत्यादि किया है लेकिन वह गुजरात के पोरबंदर के पास के भारवाड़ के रहनेवाले है।सूरत में भी कई वर्षो कई मॉल,होटल व बिल्डिंग का इंटीरियर डिजाइन किया, फिर एडुकेशन फील्ड में आकर जी लर्न, पीपल कंबाइन एडुकेशन,आकाश इंस्टिट्यूट, नारायणा ग्रुप इत्यादि में अपनी सेवा दी और अब राहुल में काम कर रहे है। अनिल दावड़ा कहते है,"आगे के वर्षों में राहुल एडुकेशन को पूरे देश मे धीरे धीरे पहुँचाने का प्रयास है। इससे समाज व देश को तरक्की मिलेगी और एक संतुष्टि मिलती है कि लोगो के लिए अच्छा काम किया और पढ़ाई के जरिए ही युवा में नई सोच व विचार आते है और वे गलत रास्ते पर नहीं जाते है। आज शिक्षा बहुत जरूरी है।"

कांग्रेस में अब एक परिवार से एक ही टिकट

अगले चुनावों से पहले टिकट दिए जाने को लेकर कांग्रेस बड़े स्तर पर बदलाव की तैयारी कर रही है। अब एक परिवार से केवल एक ही टिकट मिलेगा। उदयपुर में चिंतन शिविर में संगठन में बदलाव और राजनीतिक मामलों पर बने पैनल ने यह सिफारिश की है।

कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी महासचिव अजय माकन ने उदयपुर में मीडिया से बातचीत में कहा- हमारे पैनल में यह चर्चा हुई है कि एक परिवार से एक टिकट के फार्मूला को लागू किया जाए। जिसे भी टिकट दिया जाए, उसने कम से कम 5 साल पार्टी में काम किया हो। सीधे टिकट नहीं दिया जाए। नए आने वालों नेताओं को टिकट नहीं मिलेगा, लेकिन इस नियम में गांधी परिवार को छूट दी जाएगी। यह फार्मूला उन पर लागू नहीं होगा।

किसी नेता को तीन साल के कूलिंग पीरियड के बाद दूसरा पद मिले

माकन ने कहा- इस बात की भी सिफारिश की गई है कि पार्टी में लगातार 5 साल के काम करने के बाद किसी को दूसरा पद नहीं दिया जाए। कम से कम 3 साल का कूलिंग पीरियड रहे। तीन साल के गैप के बाद ही आगे कोई पद दिया जाए।

अगर किसी नेता का बेटा या दूसरा नेता टिकट लेना चाहता है तो उसे कम से कम पांच साल संगठन में काम करना होगा। कांग्रेस में 5 साल लगातार पद पर नहीं रहने का नियम लागू होने पर आधे से ज्यादा नेता बाहर हो जाएंगे। नेताओं के बेटों को भी पांच साल पार्टी में काम करने के बाद ही टिकट मिलेगा।

गांधी परिवार पर लागू नहीं होगा प्रावधान

जब माकन से गांधी परिवार पर यह प्रावधान लागू होने के बारे में पूछा तो कहा कि यह सवाल गांधी परिवार का नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव संगठन चुनाव की प्रक्रिया से होगा। चिंतन शिविर से कांग्रेस अध्यक्ष के चयन का कोई संबंध नहीं है। अजय माकन ने इस तरह के संकेत भी दिए कि गांधी परिवार पर एक परिवार एक टिकट का प्रावधान लागू नहीं होगा। कांग्रेस ने एक परिवार-एक टिकट का फार्मूला लागू करने की सिफारिश की है, लेकिन बड़े सियासी परिवारों के लिए गली भी छोड़ दी है।

दरअसल, कांग्रेस नेता के परिवार के किसी दूसरे सदस्य को टिकट तभी दिया जाएगा, जब वह पांच साल से एक्टिव हो, यदि कोई नया सदस्य कांग्रेस में आता है तो उसे पहले 5 साल संगठन में काम करना होगा, उसके बाद ही टिकट मिलेगा। वहीं यह भी तय किया है कि अब पैराशूट उम्मीदवारों को टिकट नहीं दिया जाएगा, उन्हें भी पहले 5 साल संगठन में काम करना पड़ेगा। गौरतलब है कि कांग्रेस में बड़ी संख्या में पैराशूट उम्मीदवार उतारे जाते रहे हैं। पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भी ऐसा हो चुका है।। कांग्रेस में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से लेकर कई मंत्रियों और नेताओं के परिवारों को एक से ज्यादा टिकट दिए जाते रहे हैं।

ट्विटर की 44 अरब डॉलर की डील होल्ड पर, एलन मस्क ने ट्वीट कर दी जानकारी

टेस्ला और स्पेसएक्स के CEO एलन मस्क ने शुक्रवार को बताया कि ट्विटर की 44 अरब डॉलर की डील फिलहाल होल्ड पर है। अपने ट्वीट के साथ उन्होंने रॉयटर्स के आर्टिकल का एक लिंक भी शेयर किया है। ट्विटर डील के होल्ड होने की वजह स्पैम अकाउंट के कैल्कुलेशन को बताया गया है। हाल ही में ट्विटर ने अपनी फाइलिंग में बताया था कि पहली तिमाही उसके स्पैम अकाउंट की संख्या मोनेटाइजेबल डेली एक्टिव यूजर्स के 5% से भी कम है। मस्क ने इस रिपोर्ट से जुड़ा रॉयटर्स का एक आर्टिकल भी ट्विटर पर शेयर किया है। डील की होल्ड होने की जानकारी सामने आने के बाद ट्विटर के शेयर प्री मार्केट में 11% से ज्यादा टूट गए, जबकि टेस्ला के शेयर में 5% करीब तेजी है।

UAE के राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जाएद अल नह्यान का निधन, देश में 40 दिन का राष्ट्रीय शोक

UAE के राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जाएद अल नह्यान का शुक्रवार को निधन हो गया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, सरकार ने खलीफा के देहांत की पुष्टि कर दी है। देश में 40 दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित कर दिया गया है। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। तीन दिन तक सभी सरकारी दफ्तर और मिनिस्ट्री बंद रहेंगी। इनमें प्राईवेट सेक्टर भी शामिल है।

सुब्रत राय की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट की रोक: पटना हाईकोर्ट के गिरफ्तारी वारंट पर लगाया स्टे

सहारा इंडिया के मालिक सुब्रत राय के खिलाफ गिरफ्तार वारंट जारी होने के महज तीन घंटे बाद ही सुप्रीम कोर्ट ने इस पर स्टे लगा दिया। अब अगले आदेश तक सुब्रत राय की गिरफ्तारी नहीं होगी। बता दें, इंवेस्टर्स को रुपए नहीं लौटाने के मामले में सहारा इंडिया के मालिक सुब्रत राय के खिलाफ पटना हाईकोर्ट ने गिरफ्तार वारंट जारी किया था। इस पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ए.एम खानविलकर की बेंच ने स्टे लगा दिया है।

निधि छिब्बर CBSE की चेयरपर्सन नियुक्त, केंद्र सरकार ने जारी किया आदेश

सीनियर IAS ऑफिसर निधि छिब्बर को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एडुकेशन (CBSE) का चेयरपर्सन बनाया गया है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को यह आदेश जारी किया। छिब्बर 1994 की चंडीगढ़ कैडर की IAS ऑफिसर हैं। निधि अभी भारी उद्योग मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव हैं।

AAP विधायक अमानतुल्लाह खान हिस्ट्रीशीटर घोषित, दिल्ली पुलिस ने दर्ज किए 18 मामले

AAP विधायक अमानतुल्लाह खान के खिलाफ अब तक 18 FIR दर्ज की गई हैं और उन्हें 30 मार्च को ही हिस्ट्रीशीटर और खराब चरित्र घोषित किया जा चुका है। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। खान को गुरुवार को मदनपुर खादर से दंगे और सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा पहुंचाने के आरोपों के तहत गिरफ्तार किया गया था, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

PDP का दावा, श्रीनगर में महबूबा मुफ्ती को घर में नजरबंद किया गया

PDP ने दावा किया है कि जम्मू-कश्मीर की पूर्व CM और PDP प्रमुख महबूबा मुफ्ती को घर में नजरबंद कर दिया गया है। पार्टी ने अभी तक नजरबंद होने के कारणों की पुष्टि नहीं की है। महबूबा मुफ्ती के घर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात है।

जम्मू-कश्मीर में हवाला मामले में 9 जगहों पर छापेमारी

बाबू सिंह हवाला मामले में राज्य जांच एजेंसी (SIA) ने आज सुबह जम्मू-कश्मीर में 9 जगहों पर छापेमारी की। छापेमारी हवाला मामले में गिरफ्तार हुए कांग्रेस के पूर्व मंत्री बाबू सिंह से पूछताछ के आधार पर की गई।

राजकोट में हादसा: कार चालक ने ट्रिपल सवारी बाइक को चपेट में लिया

दो की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

उपलेटा के गणोद और वाडासडा गांव में बीती राज दर्दनाक हादसा हो गया जिसमें कार चालक ने ट्रीपल सवार बाइक चालकों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य एक गंभीर घायल हो जाने के बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जोडियाभाई महेश चौहान, मनोज चौहान और उनके साथ एक शख्स जमजोधपुर कि गोप गांव से तरसाई गांव में ढोल बजाने जा रहे थे तभी गणोद-वाडासडा गांव में हादसा हो गया। मृतक जोडियाभाई की मां जीवित नहीं और पिता मानसिक दिव्यांग है।

ढोल बजाने जा रहे थे तीनों

जानकारी के अनुसार 25 वर्षीय जोडियाभाई महेश मनजी चौहान, मनोज धनजी चौहान और नगीन लालजी ढांकेचा बाइक पर सवार होकर बीती रात जमजोधपुर तालुका के गोप से ढोल बजाने के लिए तरसाई के लिए निकले थे। तभी उपलेटा रोड पर एक कार चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में मनोज और महेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नगीन को गंभीरावस्था में उपलेटा कॉटेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल इस मामले में स्थल पर पहुंची पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। आतरसुंबा के पास कार की टक्कर से बाइक चालक की मौत कपडवंज के आतरसुंबा पुलिस थानान्तर्गत काभाई के मुवाडा विस्तार में कार चालक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पशुपालक युवक दूध लेने जा रहा था। घटना के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आतरसुंबा के पास स्थित सोलंकीपुरा के परबतभाई ननाभाई सोलंकी अपनी जीजे 7 ईसी-750 नंबर की बाइक पर सवार होकर दूध लेने के लिए काभाई के मुवाडा गांव की ओर जा रहे थे। तभी बस स्टैंड के पास जीजे 01 एचक्यू 9676 नंबर के कार चालक परबत नना को पीछे से टक्कर मार दी। घटना के बाद परबत को तुरंत 108 एम्बूलेंस के जरिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी मौत हो गई।

कक्षा 12वीं विज्ञान के परिणाम

64 स्कूलों का 100%; 61 का 10% से भी कम रिजल्ट, राजकोट का सबसे अधिक, दाहोद का सबसे कम परिणाम

गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (जीएसईबी) द्वारा ली गई 12वीं साइंस और गुजकेट परीक्षा का रिजल्ट गुरुवार को जारी किया गया। रिजल्ट के अनुसार 95,361 छात्रों में से 68,681 छात्र उत्तीर्ण हुए। कुल रिजल्ट 72.02% आया है। वर्ष 2011 से अब तक पिछले 12 सालों में दो अपवाद (2017, 2020) को छोड़कर दस वर्षों में छात्रों की तुलना में छात्राओं का रिजल्ट ज्यादा रहा है। वर्ष 2011 से अब तक पिछले 12 सालों में ए ग्रुप से बी ग्रुप का रिजल्ट 8 से 12% कम आया है। इस साल ए ग्रुप का रिजल्ट 78.40% की तुलना में बी ग्रुप का रिजल्ट 68.58% यानी कि करीबन 10% कम आया है।

राजकोट का सबसे अधिक, दाहोद का सबसे कम परिणाम

राजकोट 85.78% के साथ प्रदेश में सबसे अव्वल है, जबकि 40.19% के साथ दाहोद फिसड्डी जिला रहा है। 96.12% के साथ लाठी सबसे अधिक और 33.33% के साथ लीखेड़ा सबसे कम रिजल्ट वाला केंद्र है। पिछले 8 साल में 6 बार राजकोट जिले का परिणाम सबसे अधिक रहा, जबकि 7 साल में लीमखड़ा तीसरी बार सबसे कम रिजल्ट वाला केंद्र है।

ग्रुप ए और ग्रुप बी का रिजल्ट

वर्ष 2011 से अब तक पिछले 12 वर्षों में ए ग्रुप की तुलना में बी ग्रुप का रिजल्ट 8 से 12% कम है। इस साल ए ग्रुप का रिजल्ट 78.40% की तुलना में बी ग्रुप का रिजल्ट 68.58% यानी कि 10% कम आया है। दिलचस्प बात यह है कि बी ग्रुप के मुख्य विषय बायोलॉजी का रिजल्ट 81% (80.97%) आया है। ए ग्रुप के मुख्य विषय गणित (79.61%) से ज्यादा है।

वैभवी को गुजकेट में 120 में से 120 अंक

सूरत के आशादीप ग्रुप ऑफ स्कूल में पढ़ने वाली मकवाणा वैभवी को गुजकेट में 120 में से 120 अंक मिले हैं। वैभवी को 12वीं साइंस में 90.46% मिले थे और ए-2 ग्रेड आया था। उसके पिता हीरे का कारोबार करते हैं। वैभवी ने बताया कि स्कूल ने आखिरी समय में प्रैक्टिस कराया था। इससे उसे काफी फायदा हुआ है। प्रदेश में 12वीं साइंस में 10% से कम रिजल्ट वाले स्कूलों की संख्या वर्ष 2020 की 68 की तुलना में घटकर 61 हो गई है। पिछले 12 सालों में 10% से कम रिजल्ट वाले स्कूलों की संख्या घटी है।

हालोल कोर्ट का फैसला

जुआ खेलने के आरोप में भाजपा के विधायक केसरी सिंह सोलंकी समेत 26 लोगों को 2 साल की सजा

1 जुलाई 2021 की रात पंचमहाल जिले के शिवराजपुर में जीमीरा रिसोर्ट से जुआ केस में पकड़े गए हालोल कोर्ट ने भाजपा के विधायक केसरीसिंह सोलंकी सहित 26 लोगों को दोषी घोषित कर सभी को 2 साल की सजा का आदेश जारी किया है। पंचमहाल जिला एलसीबी पुलिस ने शिवराजपुर के जीमीरा रिसोर्ट में चल रहे हाईप्रोफाइल जुए पर छापेमारी कर 26 जुआरियों को गिरफ्तार किया था।

पुलिस ने मौके से 3.89 लाख रुपए भी जब्त किए थे

पुलिस ने विधायक केसरीसिंह सोलंकी, 4 विदेशी महिला सहित कुल 7 महिला सहित कुल 26 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने मौके से 3.89 लाख रुपए नगद, 25 मोबाइल, लैपटॉप, 8 लक्जरीयस कार सहित 1.15 करोड़ का माल जब्त किया था। फैसले में सजा के आदेश में 26 में से 24 आरोपी सजा के समय हाजिर रहे थे।

रिसोर्ट का परवाना भी रद्द करने का आदेश

कोर्ट ने धारा 4 के अनुसार 2 साल की सजा, 3 हजार रुपए का जुर्माना, धारा 5 के अनुसार 6 महीने की सजा, 1 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने आरोपियों की सजा के साथ साथ जीमीरा रिसोर्ट का परवाना भी रद्द करने का आदेश जारी किया है।

महंगा सफर : ट्रेनों में भीड़ होने से फ्लाइट की मांग बढ़ी, लेकिन अलग-अलग शहरों हवाई किराया दोगुना हुआ, फ्लैक्सी रेट 7 हजार के पार

गर्मी की छुट्टी का सीजन चल रहा है। लोग विभिन्न कारणों से शहर के बाहर जा रहे हैं। ऐसे में ट्रेन से लेकर प्लेन तक में भीड़ चल रही है। ट्रेनों में कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल हो गया है। इस वजह से लोग फ्लाइट का विकल्प चुन रहे हैं। इससे फ्लाइट का किराया आसमान छूने लगा है। इसमें सबसे ज्यादा महंगी दिल्ली फ्लाइट है। इससे सूरत से दिल्ली जाने का किराया 11 हजार रुपए के पार जा पहुंचा है। सूरत से इंटरनेशनल फ्लाइट सूरत -शारजाह का किराया 18 हजार रुपए तक हो गया है। डेली का फुटफॉल बढ़ा, उड़ानों की डिमांड ज्यादा होने से डायनैमिक फेयर बढ़ रहा उल्लेखनीय है कि सूरत एयरपोर्ट पर अभी इंडिगो, स्पाइस जेट, एयर इंडिया और स्टार एयर की फ्लाइटें संचालित हो रही हैं। यहां से रोजाना चार हजार यात्री सफर करते हैं। वर्तमान में सूरत एयरपोर्ट पर यात्रियों की रोजाना फुटफॉल बढ़ा है, जिससे उड़ानों की मांग इतनी है कि फ्लॉइट के टिकट महंगे हो गए हैं। विमानन कंपनियों का कहना है कि 15 मई तक ऐसी ही स्थिति बनी रहेगी। उड़ानों की मांग अत्याधिक है, जिससे डायनैमिक फेयर बढ़ रहा है।

सूरत से यूपी-बिहार की ट्रेनों में पैर रखने की भी जगह नहीं

सूरत से इन दिनों यूपी-बिहार जाने वाली ट्रेनों में पैर रकने की जगह नहीं है। भीड़ इस कदर हो रही है कि कन्फर्म टिकट मिल पाना मुश्किल हो रहा है। जिन लोगों को कन्फर्म टिकट मिल गया है उन्हें भी अपनी सीट पर बैठना मुश्किल है, क्योंकि स्लीपर भी जनरल कोच जैसा हो गया है।

गांव का कठिन सफर :डीजल महंगा होने से इस बार बसों का किराया रू. 3000 तक वाराणसी जाने वाली ट्रेनों में रोज पांच हजार से ज्यादा वेटिंग

सूरत से वाराणसी जाने वाली ट्रेनों में बेतहाशा भीड़ हो रही है। हालत यह है कि इस रूट की ट्रेनों में रोज 5000 से ज्यादा वेटिंग चल रही है। आगामी 20 मई तक ट्रेनों में कन्फर्म सीट नहीं मिल रही है। ताप्ती गंगा एक्सप्रेस सबसे ज्यादा लोडेड ट्रेन बन गई है, क्योंकि 17 मई तक इसका स्लीपर कोच पूरी तरह से रिग्रेट हो गया है।

इस रूट की अन्य ट्रेनें भी रिग्रेट होने की कगार पर हैं, क्योंकि वेटिंग 137 से 250 तक जा पंहुची है। सूरत से वाराणसी रूट की ट्रेनों की हालत इसलिए बदतर है क्योंकि यहां से ताप्ती गंगा एकमात्र नियमित ट्रेन है। साप्ताहिक ट्रेनों में उधना-दानापुर, वाराणसी, महामना एक्सप्रेस भी है। इन ट्रेनों की रोज कुल वेटिंग लिस्ट पांच हजार के ऊपर जा रही है, इसलिए ताप्ती गंगा में अगले एक हफ्ते तक स्लीपर रिग्रेट है। 12 मई को वेटिंग 1500 के ज्यादा है, जबकि हर दिन एक-एक हजार अतिरिक्त वेटिंग सभी ट्रेनों में है।

रेलवे के एक अधिकारी के अनुसार समर सीजन में सूरत से सबसे ज्यादा डिमांड वाराणसी जाने वाली ट्रेनों की होती है। इस रूट पर प्रयागराज छिवकी, शाहगंज, मिर्जापुर, मुगलसराय के लोग बड़ी तादाद में सफर करते हैं। बस का किराया महंगा होने से इस बार लोग ट्रेनों का ही

विकल्प चुन रहे पेट्रोल-डीजल के बढ़ती कीमतें से सूरत से टूर्स ट्रेवल्स बस का किराया प्रत्येक यात्री 3000 रुपए वसूल रहे हैं। किराया महंगा होने से इस बार बस से कम लोग जा रहे हैं। पिछली बार सूरत-बनारस या गोरखपुर के लिए वन स्टाप फ्लाइट का टिकट 4 से 7 हजार में मिल जाता था। इस बार 10 हजार से कम नहीं है। सूरत से बनारस के लिए वाया फ्लाइट का टिकट मई में औसतन 15 हजार रुपए का मिल रहा है। मांग करने के बाद भी नहीं बढ़ा रहे ट्रेनें, पीएम को लिखेंगे 5 लाख पोस्टकार्ड सूरत से यूपी-बिहार के लिए ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। रेलवे इस पर ध्यान नहीं दे रही है। उत्तर भारतीय संघर्ष समिति उत्तर भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों में टिकट की डिमांड को देखते हुए प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के उनके कार्यालय में मई में एक से पांच लाख पोस्टकार्ड भेजने का अभियान चलाएगी। भीड़ ज्यादा बढ़ने से ज्यादा आरक्षित ट्रेनें चलाने की मांग हो रही है। तीन साल बाद गांव जा रहे थे, लेकिन टिकट नहीं मिलने से योजना रद्द की यात्री छविनाथ त्रिपाठी ने बताया कि तीन साल के बाद उन्होंने इस बार जानपुर स्थित अपने गांव जाने का मन बनाया था। उन्होंने बताया कि सभी ट्रेनों में वेटिंग है। दलाल भी स्लीपर क्लास का टिकट कन्फर्म कराने के लिए प्रति यात्री करीब 1500 रुपए मांग रहे हैं। तत्काल में दो बार कोशिश कर चुके हैं, लेकिन टिकट नहीं मिला। फ्लाइट का टिकट भी महंगा होने से उन्होंने गांव जाने की योजना रद्द कर दी है।

SPORTS खेल जगत

शॉर्ट सर्किट और बल्लेबाजों का फ्लॉप होना चेन्नई की हार की वजह, सैम्स ने पहले ही ओवर में पलटा मैच

आईपीएल 2022 के 59वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच विकेट से हरा दिया। इस हार के साथ चेन्नई की टीम मुंबई के बाद प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली दूसरी टीम बनी। मैच काफी लो स्कोरिंग रहा और कुल 200 रन बनने में 15 विकेट गिरे। इसमें चेन्नई के पूरे 10 विकेट और मुंबई के पांच विकेट शामिल हैं। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई की टीम को पारी के पहले ही ओवर में दो झटके लगे। डेनियल सैम्स ने डेवोन कॉनवे और मोईन अली को पवेलियन भेज पहले ही ओवर में मैच अपनी टीम के पक्ष में कर दिया, क्योंकि कॉनवे इस सीजन चेन्नई के सबसे इन फॉर्म बल्लेबाज थे।

उन्होंने इस मैच से पहले 85 नाबाद, 56 और 87 रन की पारी खेली थी। मैच में कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के अलावा चेन्नई का कोई बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सका। सात बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। इनमें से तीन बल्लेबाज शून्य पर ही आउट हुए।

1. शॉर्ट सर्किट: चेन्नई और मुंबई के बीच मुकाबले में उस वक्त अजीब परिस्थिति देखने को मिली, जब स्टेडियम के कुछ हिस्सों में बिजली चली गई और डीआरएस तकनीक ने काम करना बंद कर दिया। बिजली नहीं होने के कारण मैच के शुरुआती 10 गेंद तक डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) उपलब्ध नहीं हो सका और इसका नुकसान चेन्नई की टीम को उठाना पड़ा। शुरुआती 10 गेंद में चेन्नई के तीन खिलाड़ी आउट हुए। इसमें कॉनवे, मोईन अली और रॉबिन उथप्पा शामिल हैं। कॉनवे और उथप्पा तो एल्बीडब्ल्यू आउट हुए और पावरकट होने से डीआरएस नहीं ले सके। इस बारे में स्टेडियम में मौजूद टीम का कहना है कि उथप्पा के आउट होने के बाद डीआरएस तकनीक ने काम करना शुरू किया था।

2. कॉनवे का पहली गेंद पर आउट होना: पिछले कुछ मैचों में कॉनवे ने ही चेन्नई के लिए ढेर सारे रन बनाए थे। ऐसे में उनका विकेट चेन्नई के लिए महंगा पड़ा। कॉनवे गोल्डन डक का शिकार हुए और एक गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। कॉनवे ने टी-20 क्रिकेट में 3996 रन बनाए हैं और 90 बार आउट हुए। हालांकि, यह सिर्फ दूसरी बार है जब कॉनवे टी-20 करियर में एल्बीडब्ल्यू आउट हुए। पिछली बार कॉनवे फरवरी 2013 में टी-20 में एल्बीडब्ल्यू आउट हुए थे। इसके बाद पहले ही ओवर में मोईन अली भी शून्य पर आउट हुए तो सीएसके की टीम बैकफुट पर आ चुकी थी।

3. तेज गेंदबाजों को स्विंग और सीम मिलना: मैच में एक फेज तक तेज गेंदबाजों ने कहर बरपाया। पहले मुंबई के गेंदबाजों ने मैदान से मिल रही मदद का फायदा उठाया। उन्होंने पिच से मिल रही स्विंग और सीम की बदौलत चेन्नई के टॉप ऑर्डर को तहस नहस कर दिया। एक के बाद एक कई विकेट निकाल मुंबई ने चेन्नई की कमर तोड़ दी। डेनियल सैम्स ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट झटके। वहीं, बुमराह ने भी कहर बरपाते हुए तीन ओवर में सिर्फ 12 रन खर्च किए और एक विकेट झटका। राइली मेरेडिथ को भी दो विकेट हासिल हुए।

4. पावरप्ले में पांच विकेट गिरना: चेन्नई ने पावरप्ले यानी पहले छह ओवर में 32 रन बनाकर पांच विकेट गंवा दिए थे। कॉनवे और मोईन के अलावा, ऋतुराज गायकवाड़ सात रन, उथप्पा एक रन, अंबाती रायुडू 10 रन बनाकर पवेलियन लौट चुके थे। ऐसे में पूरी जिम्मेदारी धोनी के कंधों पर थी। शिवम दुबे भी 10 रन और ड्वेन ब्रावो 12 रन बनाकर पवेलियन चलते बने। धोनी ने 33 गेंदों पर नाबाद 36 रन की पारी खेली।

5. चेन्नई के गेंदबाजों का भी कहर: 98 रन के मामुली लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की भी शुरुआत खराब रही। चेन्नई के तेज गेंदबाजों का भी कहर देखने को मिला और ऐसा लगा मैच में जान आ गई। मुकेश चौधरी ने ईशान किशन, डेनियल सैम्स और ट्रिस्टन स्टब्स तो वहीं सिमरजीत सिंह ने कप्तान रोहित शर्मा को पहले पांच ओवर के अंदर पवेलियन भेजा तो लगा कि चेन्नई मैच में वापसी कर लेगी। हालांकि, युवा तिलक वर्मा, ऋतिक शौकीन और टिम डेविड ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर मुंबई को जीत दिलाई।

जसप्रीत बुमराह इतिहास रचने की दहलीज पर

दो विकेट लेते ही बन जाएंगे ऐसा करने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज

मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए आईपीएल का मौजूदा सीजन कुछ खास नहीं रहा। उन्होंने शुरू के 10 मैंचों में सिर्फ पांच विकेट अपने नाम किए। टी-20 के सफल तेज गेंदबाजों में से एक बुमराह आईपीएल 2022 के शुरुआती मुकाबलों में अपना प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे और विकेट के लिए तरसते रहे।

मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए आईपीएल का मौजूदा सीजन कुछ खास नहीं रहा। उन्होंने शुरू के 10 मैंचों में सिर्फ पांच विकेट अपने नाम किए। टी-20 के सफल तेज गेंदबाजों में से एक बुमराह आईपीएल 2022 के शुरुआती मुकाबलों में अपना प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे और विकेट के लिए तरसते रहे। हालांकि, कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पिछले मैच में उन्होंने पांच विकेट झटके और अपनी वापसी के संकेत दिए। उन्होंने केकेआर के खिलाफ एक ओवर में बिना कोई रन दिए तीन विकेट झटके और आईपीएल करियर में पहली बार पांच विकेट लेने का कमाल किया। बुमराह के अब टी-20 में 204 मैच में 248 विकेट हो चुके हैं और वह इतिहास रचने से सिर्फ दो विकेट दूर हैं। बुमराह अगर आज चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में दो विकेट अपने नाम कर लेते हैं तो वह क्रिकेट के इस प्रारूप में 250 विकट लेने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बन जाएंगे। इस मामले में बुमराह से आगे सिर्फ भारतीय स्पिनर ही हैं और कोई भी भारतीय तेज गेंदबाज यह मुकाम हासिल नहीं कर सका है। रविचंद्रन अश्विन (276), पीयूष चावला (270), युजवेंद्र चहल (269) और अमित मिश्रा (262), चारों भारतीय स्पिनरों ने 250 से अधिक विकेट लेने का कमाल किया है।

चेन्नई-मुंबई के मैच में खराब अंपायरिंग से दिग्गज नाखुश, लेकिन धोनी का रुख बिल्कुल अलग

आईपीएल 2022 में अंपायरिंग का स्तर बेहद खराब रहा है और लगातार अंपायरों के फैसले विवादों में रहे हैं। चेन्नई और मुंबई के मैच में एक बार फिर खराब अंपायरिंग चर्चा का विषय बनी। मैच की शुरुआती 10 गेंदों में डीआरएस उपलब्ध नहीं था। इस वजह से अंपायर के फैसले पर और विवाद हुआ। इस मैच में मुंबई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था और मैच की दूसरी ही गैंद पर चेन्नई के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे को अंपायर ने आउट करार दिया। कॉनवे डेनियल सम्स की गेंद पर पगबाधा हुए थे और गेंद लेग स्टंप से बाहर जाती दिख रही थी। वो रिव्यू लेना चाहते थे, लेकिन उस समय रिव्यू उपलब्ध नहीं था। इस वजह से उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा।

कॉन्वे पिछले कुछ मैचों में चेन्नई के सबसे सफल बल्लेबाज रहे थे। उन्होंने इससे पहले पिछली तीन पारियों में अर्धशतक लगाया था। दो बार शतकीय साझेदारी की थी और एक बार अर्धशतकीय साझेदारी की थी। प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए चेन्नई को हर हाल में यह मैच जीतना था और चेन्नई की जीत के लिए कॉनवे का अच्छी बल्लेबाजी करना जरूरी था। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ और चेन्नई यह मैच हारकर प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई। क्रिकेट एक्सपर्ट हर्षा भोगले से लेकर राजदीप सरदेसाई और क्रिकेट जगत के कई अन्य दिग्गजों ने कॉनवे के आउट दिए जाने की फैसले पर सवाल उठाए। राजदीप सरदेसाई ने कहा कि आईपीएल दुनिया की सबसे महंगी लीग है और इसमें कुछ गेंदों के लिए डीआरएस नहीं होने से एक बल्लेबाजी गलत फैसले का शिकार हुआ।

देश परदेश

हिजाब पर नया फरमान

तालिबान ने किया महिलाओं पर पाबंदियों का एलान, जी-7 ने जताया कड़ा ऐतराज

अफगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान सरकार ने महिलाओं व लड़कियों के लिए हिजाब (बुर्का) को लेकर नया फरमान जारी किया है। इसे महिलाओं की आजादी के खिलाफ बताते हुए जी-7 देशों ने कड़ा विरोध किया है।

कनाडा में गुरुवार को जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों ने साझा बयान जारी कर कहा कि तालिबान का हालिया आदेश महिलाओं की आजादी, समान अधिकारों व समाज में उनकी भागीदारी को सीमित करने वाला कदम है। बयान में कहा गया है कि तालिबान द्वारा अफगानी महिलाओं के लिए हिजाब पाबंदियां अनिवार्य करने के साथ ही इसके उल्लंघन पर उनके परिजनों को सजा देने का आदेश निंदनीय है।

बयान पर कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन, अमेरिका व यूरोपीय यूनियन के प्रतिनिधि ने दस्तखत किए हैं। इन देशों के विदेश मंत्रियों के साझा बयान में कहा गया है कि अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा महिलाओं व लड़कियों द्वारा हम कड़ा विरोध करते हैं।

साझा बयान में कहा गया है कि जी-7 देश तालिबान से महिलाओं और लड़कियों पर प्रतिबंध हटाने, उनके मानवाधिकारों का सम्मान करने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग करते हैं। रोजगार, शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की समान और सार्थक भागीदारी, उनके आंदोलन व अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का सम्मान करने की मांग करते हैं। यह देश की दीर्घकालिक शांति, स्थिरता और विकास के लिए आवश्यक है।

सिर से पैर तक बुर्का पहनें महिलाएं : अखुंदजादा

बीते शनिवार को तालिबान प्रमुख हिबतुल्ला अखुंदजादा ने अफगानिस्तान में सार्वजनिक रूप से महिलाओं को बुर्का पहनने का फरमान सुनाया था। काबुल में कार्यक्रम के दौरान तालिबानी अधिकारियों ने इसे जारी किया। अधिकारियों ने कहा कि महिलाओं को चादोरी यानी सिर से पैर तक बुर्का पहनना चाहिए। ये परंपरागत और सम्मानजनक है।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा महिलाओं पर लगाए गए सबसे कठोर प्रतिबंधों में से एक है। इससे पहले अफगानिस्तान में तालिबान ने पोस्टर चिपका कर महिलाओं को घरों में रहने का आदेश दिया था।

तालिबान ने 1990 के दशक में अपने शासन काल में अफगानिस्तान में महिलाओं को बुर्का पहनना अनिवार्य कर दिया था।

तालिबान के खिलाफ महिलाओं का खुले चेहरे के साथ प्रदर्शन

अफगानिस्तान में तालिबान के नए फरमान के खिलाफ महिलाओं ने गत दिवस विरोध प्रदर्शन किया। काबुल में प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने हिजाब नहीं पहना और अपना चेहरा भी खुला रखा। महिलाएं 'जस्टिस, जस्टिस' के नारे लगा रही थीं।

इस दौरान शमा अलीमियार नामक महिला ने कहा कि हम भी इंसान हैं और उसी तरह से जीना चाहते हैं। हम नहीं चाहते की कोई हमें पशुओं की तरह घर में कैद कर रखा जाए। हमें सार्वजनिक जगहों पर अपने चेहरे और शरीर को ढंकने के लिए क्यों मजबूर किया जा रहा है। बुर्का हमारा हिजाब नहीं है। तालिबान के लड़ाकों ने इन महिलाओं को प्रदर्शन से रोकने की भी कोशिश की।

चीनी डाटाबेस से हुआ खुलासा: चीन में 10 लाख अल्पसंख्यक हिरासत में

10 हजार से अधिक उइगर जेलों में बंद

चीन की एक और काली करतूत सामने आई है। एक लीक डॉक्यूमेंट से खुलासा हुआ है कि चीन के शिनजियांग क्षेत्र में 10 हजार से अधिक उइगर चीनी के जेलों में बंद हैं। साथ ही दस लाख से अधिक अल्पसंख्यकों को निरोध केंद्रों और जेलों के एक गुप्त नेटवर्क में रखा जा रहा है। लीक हुए इस डाटाबेस से हजारों उइगरों की दयनीय स्थिति का पता चलता है। 137 पेज का डाटाबेस लीक वाशिंगटन डीसी में कम्युनिज्म मेमोरियल फांउडेशन के सीनीयर फेलो एड्रियन जेनज ने कहा कि लीक हुआ दस्तावेज 137 पेज का एक पीडीएफ फाइल है जो एक्सेल शीट या वर्ड टेबल द्वारा तैयार किया गया है। जेनज के मुताबिक यह लीक दस्तावेज वास्तव में पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें शासन की उस पागल मानसिकता को दिखाता है जो इस दुनिया की आने वाली महाशक्ति को नियंत्रित कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक यह क्षेत्र चीनी कम्युनिस्ट अधिकारियों द्वारा संरक्षित है वहां कई डिटेंशन सेंटर और जेलों का एक सीक्रेट नेटवर्क है। रिसचर्स का मानना है कि यहां लाखों उइगर और अन्य अल्पसंख्यकों को वहां कैद करके रखा गया है। शिनजियांग इस लिस्ट में शामिल हर कैदी के परिवार तक पर नजर रखती है। रिपोर्ट के मुताबिक लीक हुई सूची में हरेक कैदी का नाम, उसकी जन्मतिथि के साथ जातीयता, आईडी कार्ड, आरोप, पता, सजा की अवधि और जेल के बारे में जानकारी दर्ज हैं। पश्चिमी देशों ने उइगरों के साथ ज्यादती को नरसंहार बताया है लेकिन चीन इसे ट्रेनिंग सेंटर बताकर अपना बचाव करता रहा है। बता दें कि चीन के कथित दुर्व्यवहार की जांच के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख मिशेल बाचेलेट इसी महीने शिनजियांग का दौरा करने जा रही हैं।

रूस-यूक्रेन जंग:पाबंदियों का असर पश्चिमी देशों पर ही ज्यादा हो रहा, राष्ट्रपति पुतिन ने किया यह दावा

यूक्रेन पर हमले के बाद पश्चिम देशों व नाटो द्वारा रूस पर लगाई गई ऐतिहासिक व जबर्दस्त पाबंदियों को लेकर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बड़ा दावा किया है। पुतिन ने कहा कि इन पाबंदियों का असर पश्चिमी देशों पर ही ज्यादा हो रहा है। पुतिन ने गुरुवार को अपने देश की आर्थिक स्थिति को लेकर मॉस्को में हुई एक बैठक में यह बात कही। 24 फरवरी को यूक्रेन पर धावा बोलने के बाद रूस पर पश्चिमी देशों ने कड़ी पाबंदियां लगाई हैं। पुतिन ने गुरुवार को कहा कि कई देश भुखमरी का सामना कर रहे हैं, यदि रूस पर पाबंदियां जारी रहीं तो यूरोपीय संघ को भी ऐसे अंजाम भोगना पड़ सकते हैं, जिन्हें बदलना मुश्किल होगा। इसके लिए पूरी तरह से पश्चिमी देशों का अभिजात्य वर्ग दोषी है, जो अपने वैश्विक प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए शेष दुनिया को छोड़ने पर मजबूर है।

बता दें, यूक्रेन पर रूसी हमले का दुनिया के आर्थिक हालात पर बुरा असर पड़ा है। दुनियाभर के देशों में ऊर्जा आपूर्ति, उर्वरक आपूर्ति और खाद्य सुरक्षा प्रभावित हुई है। इस संकट से सबसे कमजोर देश सबसे गंभीर रूप से प्रभावित हैं। वहीं, रूस आत्मविश्वास से बाहरी चुनौतियों का सामना कर रहा है। जी-7 देशों और यूरोपीय संघ (ईयू) के अलावा अमेरिका ने रूस पर बुचा नरसंहार सहित यूक्रेन में अन्य जुल्मों को लेकर आर्थिक पाबंदियां लगाई हैं। गत रविवार जी-7 ने यूक्रेन के खिलाफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा जंग छेड़ने की निंदा की थी। संगठन ने कहा कि इस जंग के कारण वैश्विक खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम पर गंभीर असर पड़ा है। उन्होंने रूस से कहा कि वह अपने वादे के अनुरूप लगाई गई आर्थिक नाकाबंदी व पाबंदियां हटाए ताकि यूक्रेन में खाद्य सुरक्षा व निर्यात बाधित न हो। जी-7 ने कहा कि हम संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर रूस से आग्रह करते हैं कि वह आर्थिक व अन्य नाकेबंदी खत्म करे। बता दें, रूस ने यूक्रेन के डोनेत्स्क व लुहांस्क को अलग देश के रूप में मान्यता देने के तीन दिन बाद 24 फरवरी को यूक्रेन के सैन्य ढांचे को तबाह करने के इरादे से सैन्य अभियान छेड़ा था। इसके जवाब में पश्चिमी देशों ने उस पर अब तक की सबसे गंभीर पाबंदियां लगाई हैं। उधर, करीब ढाई माह से जारी जंग का अब तक कोई अंत नजर नहीं आ रहा है।

नुसरत भरुचा की अपकमिंग फिल्म जनहित में जारी ट्रेलर को जनता से मिली सराहना

फिल्म के खास संदेश को लोगों तक पहुंचाने के लिए मेकर ने इसके ट्रेलर को दक्षिण भाषाओं में किया डब

विनोद भानुशाली और राज शांडिल्य की जनहित में जारी में नुसरत भरुचा हैं। इस फिल्म का निर्देशन जय बसंतू सिंह ने किया हैं। हाल ही में रिलीज हुआ इस फिल्म का ट्रेलर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। फिल्म के ह्यूमरस डायलॉग्स और सोच को उड़ान देने वाली स्टोरीलाइन की वजह से क्रिटिक्ट्स और इंडस्ट्री के लोग, सभी इसे खूब पंसद कर रहें है। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक इसे पहुंचाने के लिए ट्रेलर को साउथ की भाषाओं जैसे की तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में डब किया गया है, ताकि फिल्म के जरिए जो मैसेज दिया जा रहा है वो सभी तक पहुंच सकें।बता दें फिल्म के ट्रेलर को इतना पसंद किया गया कि रिलीज के 24 घंटों के अंदर ही इसे 10 मिलियन से अधिक बार देखा गया और यह तुरंत YouTube पर भी ट्रेंड करने लगा जिसके बाद दर्शक इसे बेहद सराहा रहें है। यही नहीं सोशल मीडिया पर

ट्रेलर को लेकर अपनी दिलचस्पी साझा करने के साथ ही दर्शकों ने फिल्म को लेकर भी अपनी एक्साइटमेंट भी शेयर की है। इस ट्रेलर के रीलीज के कुछ ही मिनटों के भीतर, नेटिज़न्स ने ट्रेलर पर प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया, जिसमें कुछ कमेंट कुछ इस प्रकार है"नुशरत भरुचा सामाजिक रूप से ज्ञानवर्धक फिल्म में एक आवाज हैं।""ट्रेलर से अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म वाकई में कितनी मजेदार होने वाली है, इसमें हर एक्टर ने अपनी एक्टिंग बहुत ही खूबसूरती से की है.""हमें इस तरह की फिल्में कितनी बार देखने को मिलती हैं ?! बहुत कम। कंडोम का इस्तेमाल करने की वर्जनाओं से लोग इस फिल्म को देखने से पीछे नहीं हटे। @Nushrratt आपने फिर से कमाल का काम किया है। "दुनिया भर में नेटिज़न्स द्वारा स्टीरियोटाइप को चकनाचूर करने वाले इस ट्रेलर के रूप में देखे जाने से लेकर एजुकेशनल और एंटरटेनिंग कहे जाने तक, इसके वायरल वीडियोज और मीम्स इंटरनेट और मीडिया में हर तरफ छाएं हैं। इस फिल्म को लेकर सभी ने मेकर्स को बधाई दी है कि वो इस तरह के रोमांचक वैचारिक सामाजिक कॉमेडी फिल्म के साथ सामने आए है, जो ना सिर्फ एंटरटेन कर रही है बल्कि समाज के सारे टाबूज को तोड़ते हुए लोगों को एक खास संदेश भी दे रही है। फिल्म के ट्रेलर को मिली प्रतिक्रिया के बारे में बोलते हुए नुसरत भरुचा ने कहा, "प्रतिक्रिया बहुत जबरदस्त और उत्साहजनक है। मुझे इतना प्यार देने के लिए मैं सभी का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। एक नया साहसी कदम उठाने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना करना बहुत अच्छा लगता है और इस प्रतिक्रिया ने हम सभी के चेहरे पर मुस्कान ला दी है। मुझे उम्मीद है कि वे भी फिल्म का आनंद लेंगे।"विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, विशाल गुरनानी, राज शांडिल्य, विमल लाहोटी, श्रद्धा चंदावरकर, बंटी राघव, राजेश राघव और मुकेश गुप्ता द्वारा निर्मित, श्री राघव एंटरटेनमेंट एलएलपी के सहयोग से भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और थिंक इंक पिक्चर्स प्रोडक्शन, द्वारा सह-निर्मित जूही पारेख मेहता, ज़ी स्टूडियोज़ की रिलीज़, जनहित में जारी 10 जून को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ की जायेगी।

जंगली पिक्चर्स ने अपनी नई फ्रेंचाइजी का किया एलान, इस हाई कॉन्सेप्ट थ्रिलर 'क्लिक शंकर' का निर्देशन करेंगे बालाजी मोहन

फिल्मों के अपनी शानदार कैटलॉग के लिए जानी जाने वाली, जंगली पिक्चर्स ने अपनी अगली हाई-कॉन्सेप्ट थ्रिलर 'क्लिक शंकर' का एलान किया है।

इस फिल्म का किरदार शंकर रेबेरो जोकि एक पुलिस वाला होगा वो काफी दिलचस्प है जिसे सिर्फ एक बार का देखा हुआ कोई सीन तो हमेशा के लिए याद रहता ही है साथ ही टच, वॉइस, टेस्ट और स्मेल को भी वो कभी नही भूल सकता है बल्कि फोटोग्राफिक मेमोरी रिकॉल से भी तेज एक क्लिक पर उसकी आंखों में वो सब बस जाता है जो उसने कभी देखा, सुना या महसूस किया होता हैयह रहस्य को सुलझाता हुआ, अपने ही तरीके का एक अनोखा किरदार होगा- जो मजाकिया होने के साथ साथ एक परेशान इंस्पेक्टर भी होता है जिसे सब कुछ याद रहता है और यह उसके लिए एक तरह का वरदान और अभिशाप दोनों है। शंकर रेबेरो को हाइपरथिमेसिया नाम की एक दुर्लभ बिमारी होती है, जो उसे अपने जिंदगी की हर घटना (गजनी के लोकप्रिय चरित्र के उलट) को याद रखने में सक्षम बनाती है और यह सुनिश्चित करती है कि वह अतीत को कभी नहीं भूल पाए। भावनाओं के रोलर कोस्टर और रहस्यपूर्ण ट्विस्ट और टर्न्स के साथ शंकर का सफर एक्शन ह्यूमर और हार्ट का एक परफेक्ट ब्लेंड होगा। ऐसे में शंकर के नायक के इस किरदार को पूरा करेगी एक स्ट्रॉग फीमेल लीड जो उसके तेज करिश्मे से मेल खाते हुए कहानी में साजिश का सार जोड़ देगी।बता दें, राज़ी और तलवार जैसी थ्रिलर फिल्मों की बॉक्स ऑफिस पर भारी सफलता के बाद, जंगली पिक्चर्स ने एक बार फिर क्लिक शंकर के लिए एक रोमांचक टीम तैयार की है। फिल्म का निर्देशन अक्लेम्ड डायरेक्टर बालाजी मोहन करेंगे, जो मारी 1 और 2 (राउडी बेबी सॉन्ग फेम) और कधलील सोधाप्पुवधु येप्पादी जैसी फिल्मों में अपनी अनूठी कॉमिक संवेदनशीलता ला चुके हैं। कहानी और स्क्रीनप्ले बिंकी मेंडेज़ के साथ बालाजी मोहन द्वारा लिखा गया हैं और इसके डायलॉग्स सुमित अरोड़ा (स्त्री, द फैमिली मैन - सीजन 1) और सूरज ज्ञानानी ने लिखे हैं।इस फिल्म को लेकर बात करते हुए निर्देशक बालाजी मोहन साझा करते हैं - "इस फिल्म को अपने इलाज के लिए एक यूनीक विजन की आवश्यकता थी, जिसमें नायक अपनी तरह का एक ओरिजिनल किरदार है। दर्शकों को अनुमान लगाने के लिए गहरे, डार्क और एजी सीन्स को ह्यूमर के साथ पेश किया जाएगा और जो आखिर तक उन्हें अपनी सीटों के किनारे पर बैठे रहने पर मजबूर कर देगा। ये तालमेल जंगली पिक्चर्स टीम के अलावा किसी और के साथ बेहतर मेल नहीं खा सकता और उनके साथ इस परियोजना को विकसित करना एक शानदार अनुभव रहा है। मैंने पाया कि हिंदी सिनेमा में यह मेरी शुरुआत करने के लिए एकदम सही फिल्म होगी और हम वह सब पेश करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते जो बन रहा है।"जंगली पिक्चर्स की सीईओ, अमृता पांडे कहती हैं - "क्लिक शंकर की अवधारणा एक कैरेक्टर ड्रिवेन फ्रेंचाइजी के रूप में जंगली पिक्चर्स की क्रिएटिव टीम के भीतर से बाहर आई है। बालाजी की व्यावसायिक संवेदनाओं और अच्छी तरह से परिभाषित मास अपील के साथ कहानी और स्क्रीनप्ले पर बिंकी का शानदार लेखन इस फिल्म की खासियत को और बढ़ा देगा। सुमित और सूरज ने इसे अपने शार्प और एंटरटेनिंग डायलॉग्स से अलग ही लेवल पर पहुंचा दिया है। इससे भी ज्यादा खास बात यह है कि इस थ्रिलर शैली में प्यार भी भरपूर है जो इसे कुछ अनोखा बनाने का एक रोमांचक अवसर देता है।" ऐसे में बधाई दो, बधाई हो, राज़ी और तलवार जैसी शैली को परिभाषित करने वाली फिल्मों के साथ, जंगली पिक्चर्स 2022 के लिए तैयार है, जिसमें आने वाली फिल्मों की एक रोमांचक स्लेट है, जिसकी शुरुआत 'डॉक्टर जी', 'वो लड़की है कहां?', 'डोसा किंग' 'उलझ' और 'क्लिक शंकर' जैसी कुछ फिल्मों से होगी।

यूक्रेन में फिल्माई गई आखरी फिल्म श्लव इन यूक्रेन से जबरदस्त डेब्यू करने जा रहे हैं विपिन कौशिक

- *के सी बोकाडिया, धीरज कुमार, सुरेंद्र पाल, नायरा बनर्जी, निशांत मल्कानी जैसी हस्तियों ने नवोदित अभिनेता विपिन कौशिक को दीं शुभकामनाएं*
- *ट्रेलर लॉन्च पर अपने डायलॉग, अपनी हाइट, पर्सनालिटी से सभी को इम्प्रेस किया विपिन कौशिक ने*

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन जितनी हाइट, कड़कदार आवाज़, बातें करती आंखें, गज़ब का स्क्रीन प्रेजेंस....यह हैं नवोदित अभिनेता विपिन कौशिक, जो आत्मविश्वास से भरपूर हैं और जिनमें अदाकारी की तमाम काबलियत मौजूद है। रूस यूक्रेन युद्ध शुरू होने से ठीक पहले यूक्रेन में फिल्माई गई आखरी फ़िल्म "लव इन यूक्रेन" के जरिये वह बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। लॉक डाउन के दौरान यूक्रेन में शूट हुई यह फ़िल्म अद्भुत है। अफसोस की बात है कि यूक्रेन के कई ऐसे शहर, जिनमें विपिन कौशिक की यह फ़िल्म शूट हुई, युद्ध में तबाह हो चुके हैं।

जब मुम्बई में इस फ़िल्म का बेहतरीन ट्रेलर लांच किया गया तो यहां फ़िल्म के हीरो विपिन कौशिक को शुभकामनाएं देने बॉलीवुड की कई दिग्गज हस्तियां आई। जाने माने फ़िल्म मेकर के सी बोकाडिया, धीरज कुमार, सुरेंद्र पाल, नायरा बनर्जी, निशांत मल्कानी, देहाती डिस्को के डायरेक्टर मनोज शर्मा और जगबीर दहिया ने डेब्यू एक्टर विपिन कौशिक की तारीफ की और फ़िल्म के ट्रेलर को पसन्द किया।

निर्माता निर्देशक के सी बोकाडिया ने कहा कि विपिन कौशिक की एक्टिंग एबिलिटी ट्रेलर में दिख रही है। ऐसा लग ही नहीं रहा है कि यह उनकी पहली फ़िल्म है बल्कि ऐसा लग रहा है कि वह ऑलरेडी 3-4 फिल्मे कर चुके हैं। वहीं धीरज कुमार

ने भी विपिन कौशिक के लुक, उनकी हाइट, उनकी डायलॉग डिलीवरी और उनके आत्मविश्वास की सराहना की और उनमें मौजूद बेहतर संभावनाओं को अंकित किया। आपको बता दें कि विपिन कौशिक के पिता पंडित पवन कौशिक जाने माने एस्ट्रोलॉजर हैं, उन्होंने भी अपने बेटे को ऑल द बेस्ट कहा। गौरतलब है कि विपिन कौशिक की हाइट 6'3' है और उनकी जबरदस्त आवाज डायलॉग में भरपूर प्रभाव लाती है। उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'लव इन यूकेन' के ट्रेलर के द्वारा ही अपनी प्रभावशाली छाप छोड़ी है। मार्शल आर्ट्स में उन्होंने वर्षों का प्रशिक्षण लिया है। बहुत सारे नाटकों में लीड रोल करके अपने प्रभावशाली अभिनय का जौहर दिखाया है। तुगलक, भोला राम का जीव, अंधा युग, ओथेलो जैसे कई ड्रामों में विपिन कौशिक ने अपनी अदाकारी दर्शाई है। थिएटर के अनुभव की वजह से इस फ़िल्म में उन्होंने गज़ब का काम किया है। उनकी याद्दाश्त बहुत अच्छी है, उन्हें लंबे डायलॉग भी तुरंत याद हो जाते हैं। इस फ़िल्म की शूटिंग के दौरान विपिन कौशिक ने कहीं भी बॉडी डबल का इस्तेमाल नहीं किया, तमाम रिस्की और खतरनाक एक्शन सीन्स खुद किए हैं। एक अद्भुत स्क्रीन उपस्थिति के साथ वह 27 मई को रिलीज होने वाली फिल्म लव इन यूक्रेन में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। एक हिंदुस्तानी लड़के और एक यूक्रेनियन लड़की की लव स्टोरी बयान करती फिल्म का अधिकतर हिस्सा जंग शुरू होने के पहले फिल्माया गया था।

जी म्यूज़िक से फ़िल्म लव इन यूक्रेन का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है, जिसे दर्शकों द्वारा कमाल का रिस्पॉन्स मिल रहा है। फ़िल्म मे अलग अलग फ्लेवर के 5 गाने हैं।

विपिन कौशिक ने ट्रेलर लॉन्च पर आए सभी मेहमानों और हस्तियों का तहे दिल से धन्यवाद किया और कहा कि एक नए लड़के की पहली फ़िल्म के ट्रेलर लॉन्च पर जिस तरह से इंडस्ट्री के दिग्गज आए और हमारी हौसलाअफजाई की, उन सबका शुक्रिया अदा करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। यह बड़ी प्यारी फ़िल्म है जिसमें लव भी है और यूक्रेन भी। यूक्रेन के खूबसूरत लोकेशन पर इसे फ़िल्माया गया है। हम लोगों ने जहां शूटिंग की, युद्ध की वजह से वो कई जगह तबाह हो गई हैं। भगवान से प्रार्थना है कि यह जंग खत्म हो, मुझे उम्मीद है कि यह फ़िल्म शांति और मोहब्बत के पैगाम को दुनिया भर में पहुंचाएगी।"

फ़िल्म की कहानी कुछ यूं है कि नायक विपिन कौशिक यूक्रेन में उच्च शिक्षा के लिए जाते हैं और वहां वह मुसीबत में फंस जाते हैं। ऐसे में नायिका एलिजा उनकी किस तरह हेल्प करती है, इसी वनलाइनर पर बेस्ड है फ़िल्म लव इन यूक्रेन। फिल्म के डायरेक्टर नितिन कुमार गुप्ता हैं जबकि नायिका एलिजा यूक्रेन से ही है। कमल एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित फ़िल्म 27 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

एक्शन में आईं बेबो

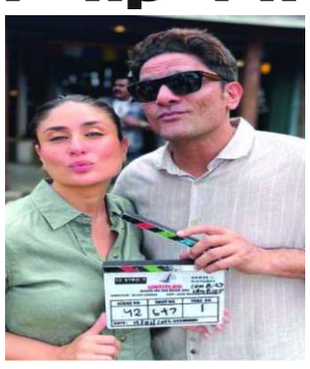

एक लंबे ब्रेक के बाद बेबो फिर से एक्शन में आ गई हैं। अभिनेत्री करीना कपूर खान ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। हालांकि अभी इस फिल्म का नाम तो नहीं पता, मगर कैमरे के सामने एक्शन और कट की गूंज सुनाई देने लगी है। नई फिल्म के सेट पर से पहले दिन की बेबो ने तस्वीर शेयर की है, जिसमें वे अपने को-स्टार को होंठों को गोल करना सिखा रही हैं। अंग्रेजी में इसे पाउट करना कहते हैं। कई वेब सीरीज और फिल्म में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुके जयदीप अहलावत जल्द ही करीना कपूर के साथ फिल्म में नजर आएंगे। करीना और जयदीप ने सेट से क्लैपबोर्ड हाथ में लेकर फिल्म की शूटिंग शुरू होने का एलान कर दिया है। इस तस्वीर को करीना और जयदीप दोनों ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

सच्ची घटनाओं से प्रेरित निर्देशक बी एस अली की फिल्म "माया" की शूटिंग

अक्सर कहा जाता है कि सब मोह माया है। फ़िल्मी दुनिया को भी मायानगरी कहा जाता है। अब "माया" के नाम से निर्देशक बी एस अली फ़िल्म बना रहे हैं। इस फ़िल्म की शूटिंग पिछले दिनों मुम्बई के मनीषा बंगला में की गई जहां कई महत्वपूर्ण दृश्यों का फिल्मांकन हुआ।निर्माता निर्देशक बी एस अली ने बताया कि बॉलीवुड में आजकल रियलिस्टिक फिल्मों का ज़माना है। यहां सच्ची घटनाओं से प्रेरित होकर फिल्मे बनाई जा रही है। मेरी फिल्म भी इसी तरह की एक रियल घटना से इंस्पायर्ड फिल्म है जिसका नाम है "माया"। निर्माता निर्देशक बी एस अली की इस फिल्म की मुंबई में शूटिंग के दौरान फिल्म से जुड़ी पूरी टीम मौजूद थी। तेजी से बन रही इस फिल्म को लेकर बी एस अली बेहद उत्साहित हैं। यहां मीडिया से बात करते हुए बी एस अली ने कहा कि इस सस्पेंस थ्रिलर फिल्म की शूटिंग मुंबई में जोर शोर से जारी है। फिल्म को जल्द रिलीज़ करने का प्लान है।उन्होंने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए कहा की माया हॉस्टल की कहानी पर बेस्ड है। यहां एक लड़की की हत्या हो जाती है जिस रूम में कई और लड़कियां भी रहती हैं। इस लड़की की हत्या के बाद सस्पेन्स का खेल शुरू होता है। फिल्म दर्शको को बांध कर रखेगी और उन्हें कुछ सोचने पर भी मजबूर करेगी।इससे पहले फिल्म "लव स्टोरी" प्रोड्युस कर चुके निर्माता निर्देशक बी एस अली ने कहा कि सस्पेंस थ्रिलर होने के बावजूद फिल्म में म्यूज़िक का भी बड़ा स्कोप है और फिल्म में कई सिचुएशनल गाने हैं जो कहानी को आगे बढ़ाते हैं। निर्माता निर्देशक बी एस अली ने यहां आगे बताया कि यह फिल्म एक रियल घटना से प्रेरित है। हॉस्टल और बोर्डिंग स्कूलों के सम्बन्ध में कई तरह की खबरें आती रहती हैं मैंने उन्ही सच्ची घटनाओं को आधार बनाकर इसे बनाया है।फिल्म के लिए ढेर सारे नए कलाकारों का सिलेक्शन हुआ है। देश के कोने कोने से कलाकारों को सेलेक्ट करके उनकी ग्रूमिंग करके बीएस अली ने उन्हें इस फ़िल्म में इस्तेमाल किया है।

फिल्म अमारिस की प्रोड्यूसर अनुषा रंधावा को मिला लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवार्ड

27 मई को ऑल इंडिया रिलीज हो रही फ़िल्म अमारिस की प्रोड्यूसर अनुषा रंधावा को कृष्णा चौहान फाउंडेशन द्वारा आयोजित लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवार्ड - 2022 से सम्मानित किया गया। इस अवार्ड का फंक्शन का आयोजन 4 मई 2022, को मेयर हॉल अंधेरी मुम्बई में किया गया था। जहां ढेर सारी फिल्मी हस्तियां मौजूद थीं। निर्मात्री अनुषा रंधावा ने यह अवार्ड लेकर कहा कि भारतीय फिल्मों के पितामह कहे जाने वाले दादासाहेब फाल्के भारतीय सिनेमा के जनक थे। उस महान हस्ती के नाम पर उनकी स्मृति में डॉ कृष्णा चौहान 'लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवार्ड का भव्य आयोजन पिछले 3 वर्षों से करते आ रहे हैं। उनके नाम का यह सम्मान पाकर मैं खुद को भाग्यशाली और गौरवांवित महसूस कर रही हूं।आपको बता दें कि अजय कनौजिया के एजे फ़िल्म एंटरटेनमेंट वर्ल्ड के द्वारा अनुषा रंधावा की फ़िल्म अमारिस को ऑल इंडिया रिलीज किया जा रहा है।फ़िल्म की शूटिंग उत्तराखंड में की गई है। अनुषा रंधावा प्रोड्यूसर होने के अलावा एक सिंगर, संगीतकार और एक लेखिका भी हैं। वह फिलहाल अपनी फिल्म अमारिस को लेकर बेहद उत्साहित हैं।फ़िल्म में विक्रम का किरदार अवजीत सिंह ने किया है। यह एक खूबसूरत प्रेम कहानी है। विक्रम और उदिता की लव स्टोरी दर्शकों को अवश्य पसन्द आएगी। उदिता का रोल कृसाण बरेटो ने अदा किया है। फ़िल्म में किंशुक वैद्य ने भी अहम भूमिका निभाई है।

शिल्पा ने लिया ब्रेक!

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अपने से जुड़ी हर अपडेट वे वहां शेयर करती रहती हैं। वो ट्विटर के साथ-साथ इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करती थीं। मगर लगता है अब सोशल मीडिया से उनका मन ऊब गया है। उन्होंने वहां से ब्रेक लेने की घोषणा की है। गौरतलब है कि उनके योगा वीडियो को देख फैंस खूब प्रेरित होते थे। लेकिन अब ये सब देखने को नहीं मिलेगा। अपना आखिरी पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने इसकी वजह का भी खुलासा किया है। उन्होंने लिखा, 'एकरसता से ऊब गई हूं। सब कुछ एक जैसा दिख रहा है। सोशल मीडिया से दूर जा रही हूं, जब तक मुझे एक नया अवतार नहीं मिल जाता।' शिल्पा शेट्टी ने यही पोस्ट ट्विटर पर भी शेयर किया है।

(PAC) NAAC के लिए अनंतिम प्रत्यायन

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) ने एक नई नीति जारी की है जो नए कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को एक शैक्षणिक वर्ष पूरा करने के बाद अनंतिम मान्यता के लिए आवेदन करने की अनुमति देती है। पहले, केवल कम से कम छह साल के अनुभव वाले संस्थान या स्नातक छात्रों के कम से कम दो बैच वाले संस्थान नैक मान्यता के लिए आवेदन कर सकते थे। कॉलेजों का अनंतिम प्रत्यायन (PAC) प्रावधान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए एक पाठ्यक्रम तैयार करेंगे। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, संस्थानों को NAAC प्रत्यायन की स्थिति को लागू करने और प्राप्त करने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए काम कर रहे संस्थानों के संरेखण के लिए संस्थान को प्रामाणिक अच्छी तरह से प्रलेखित डेटा की आवश्यकता होती है, जो मात्रात्मक और गुणात्मक हो।

नैक प्रत्यायन की तैयारी की प्रक्रिया काफी पहले से शुरू होनी चाहिए, क्योंकि कई बार संस्थान विभिन्न प्राधिकारियों को नियमित रूप से जमा किए गए आंकड़ों से अधिक

डेटा प्रस्तुत करने के लिए तैयार नहीं होते हैं। NAAC प्रक्रियाएं गुणात्मक इनपुट जोड़ती हैं जिन्हें संस्थान को धीरे-धीरे अपने लक्ष्यों से परिचित कराना चाहिए और अपनी उपलब्धि के लिए एक रोडमैप तैयार करना चाहिए।

NAAC अनंतिम प्रत्यायन उभरते संस्थानों के लिए एक मील का पत्थर उपलब्धि है। PAC प्रणाली संस्थान को दिशानिर्देशों से परिचित कराने में मदद करेगी, ताकत, कमजोरियों की समीक्षा के लिए समय देगी और साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में सुधार के लिए अवसर तैयार करेगी। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाकर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा पेश किए गए हैंड होल्डिंग का लाभ उठाकर एनएएसी का दर्जा पाने वाले संस्थानों के लिए सीखने का एक बड़ा अवसर होगा। वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (एक्यूएआर) तैयार करने और प्रस्तुत करने से आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ को प्रभावी ढंग से स्थापित करने और उसके साथ काम करने की संस्कृति स्थापित होगी।

मापदंडों की कम संख्या और बुनियादी अंकन योजना कई संस्थानों को मान्यता की दिशा में पहला कदम उठाने के लिए प्रेरित करेगी। naac.gov.in अधिक जानकारी और विवरण के लिए naac.gov.in पर उपलब्ध।

रेल सुरक्षा बल के जवानों ने सात चोरों को पकड़ा

पश्चिम रेलवे के आरपीएफ पुलिस का 'आपरेशन यात्री' मुहिम के अंतर्गत हुई कार्यवाही

मुंबई तरंग
गणेश पाण्डेय । मुंबई

मुंबई: पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल (PRF) के जवानो ने ऑपरेशन यात्री सुरक्षा मुहिम गत कुछ समय से शुरू किया है जिसके अंतर्गत रेल सुरक्षा बल द्वारा यात्रियों से संबंधित अपराधों जैसे चोरी और डकैती में शामिल अपराधियों को पकड़ा जाता है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें जीआरपी को सौंप दिया जाता है। रेल सुरक्षा बल द्वारा ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के अंतर्गत केंद्रित दृष्टिकोण के उत्कृष्ट परिणाम मिल रहे हैं और मात्र दो दिनों में ही मोबाइल फोन और बैग जैसे यात्री सामान चोरी में शामिल सात चोरों को पकड़ा गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार रेल सुरक्षा बल क्राइम प्रिवेंशन एंड डिटेक्शन स्क्वॉड (सीपीडीएस) की टीम ने हाल ही में बोरीवली स्टेशन पर दो अलग-अलग मामलों में दो संदिग्ध मोबाइल चोरों को पकड़ा, जहाँ अलग-अलग दिन को 18,000 रुपये से अधिक मूल्य के मोबाइल फोन और नकदी की लूट की गई थी। दोनों चोरों को स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की मदद से पकड़ लिया गया और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी बोरीवली को सौंप दिया गया। 10 मई 2022 को रेल सुरक्षा बल सीपीडीएस की टीम ने चर्चगेट स्टेशन पर तीन अलग-अलग मामलों में 5 संदिग्ध चोरों को पकड़ने में सफलता पाई। अलग-अलग दिनों में 73,000 रुपये से अधिक मूल्य के दो मोबाइल फोन और एक लैपटॉप की चोरी की गई थी। सभी संदिग्धों को सीसीटीवी फुटेज की मदद से पकड़ा गया और आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए जीआरपी चर्चगेट को सौंप दिया गया। ठाकुर ने यह भी बताया कि पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर एक विशेष अपराध रोकथाम एवं जाँच दस्ता (सीपीडीएस) का गठन किया है जो अपराधियों को पकड़ने के लिए स्रोत की जानकारी एकत्र करके सूझ-बूझ से कार्य करता है। इसकी टीमें सीसीटीवी फुटेज से जानकारी एकत्र करती हैं तथा स्टेशनों और उसके आसपास ब्लैक स्पॉट का विश्लेषण करती हैं और पिछले अपराधियों का रिकॉर्ड मेंटेन करती है। केवल दो दिनों में ही आरपीएफ सीपीडीएस टीमों ने 5 मामलों में चोरों को पकड़कर आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए जीआरपी को सौंपा है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम रेलवे के आरपीएफ ने 2022 में अब तक 155 चोरों और लूट के 13 आरोपियों को पकड़ा है। रेल सुरक्षा बल निकट भविष्य में ऑपरेटिव यात्री सुरक्षा के अंतर्गत अभियान को तेज करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुलिस महानिदेशक के हाथो मांडवी पुलिस थाने का उद्घाटन

मुंबई तरंग
गणेश पाण्डेय । भाईदंर

मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत बुधवार को महाराष्ट्र पुलिस महानिदेशक रजनीश सेठ के हाथो मांडवी पुलिस थाने का उद्घाटन किया गया बढते जनसंख्या और नये आयुक्तालय बनने के बाद विरार पुलिस के अंतर्गत यह पुलिस थाना उपयोगी साबित होगा जैसा कि क्षेत्र में बढ़ रहा है जनसंख्या और उसके फलस्वरूप अपराध में वृद्धि को देखते हुए नए पुलिस थानों की स्थापना बहुत नितांत आवश्यक था मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के तहत वर्तमान में कुल 15 पुलिस ठाणे और नए मांडवी पुलिस थाने के गठन के बाद अब 16 पुलिस थाने काम कर रहे हैं नया थाना बनने से क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियां अपराध पर काबू किया जाएगा मांडवी पुलिस ठाणे के कार्य क्षेत्र के अंतर्गत मांडवी,चंदीप,खरदी, चंदनसर, काशीदकोपर, मेधा, तिलहर, कान्हेर, सकवार, भारोद, बावखल जैसे क्षेत्र संयुक्त रूप से मांडवी थाना प्रभारी के रूप में पुलिस निरीक्षक प्रफुल्ल वाघ कार्यभार देखेंगे।इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों से बातचीत की और कहा पुलिस लोगों की सुरक्षा और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए और उनको कर्तव्य पालन करने का निर्देश दिया। मांडवी पुलिस ठाणे के उद्घाटन के अवसर पर सांसद राजेंद्र गावित, विधायक राजेश पाटिल, पुलिस आयुक्त मीरा भाईदंर बसई बिरार मनपा सदानंद दाते अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्रीकांत पाठक, अनिल कुमार पवार,पुलिस उप आयुक्त प्रशांत वाघुडे और अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

भगोड़े दाऊद पर कसता एनआईए का शिकंजा!

देश में कई स्थानों पर छापे, दो गिरफ्तार

मुंबई, भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम, जिसने भारत में कई जगहों पर आतंकी गतिविधियों को अंजाम दिलाया, उसके खिलाफ नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। इसी कड़ी में देर रात मुंबई के वेस्टर्न सबर्बन इलाके में छापेमारी कर दो ऐसे लोगों को पकड़ा है, जो दाऊद के लिए फाइनेंस जमा करने का काम करते थे। कुछ देर में दोनों को कस्टडी के लिए स्पेशल एनआईए कोर्ट में पेश किया जाएगा। दोनों की पहचान आरिफ अबूबकर शेख (५९) और शब्बीर शेख (५१) के रूप में हुई है। आरोप है कि ये दोनों टेरर फंडिंग जमा करने के लिए बॉलीवुड के लोगों को धमकाने का काम करते थे। एनआईए को इस बात के पुख्ता सबूत मिले हैं कि ये दोनों दाऊद के राइट हैंड छोटा शकील के सीधे संपर्क में थे। शकील के खिलाफ इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया हुआ है। सुरक्षा कारणों से एनआईए ने दोनों को अभी गुप्त स्थान पर रखा है। एनआईए सूत्रों के मुताबिक, छोटा शकील लगातार मुंबई से बाहर बैठ फिरौती, ड्रग्स और आतंकवाद फैलाने का काम देख रहा है। एनआईए नई दिल्ली, मुंबई सहित देश के विभिन्न हिस्सों में हिंसा भड़काने के लिए टेरर फंडिंग के मामले की जांच कर रही है।

इसी कड़ी में ९ मई को मुंबई में २४ स्थानों और मीरा- भायंदर में पांच स्थानों पर तलाशी ली गई थी। पूछताछ में दाऊद की दिवंगत बहन हसीना पारकर के बेटे और दाऊद के सहयोगी छोटा शकील के बहनोई सलीम फ्रूट को भी हिरासत में लिया गया था। इसके अलावा २० अन्य लोगों से एनआईए लगातार पूछताछ कर रही है।

एनआईए ने कहा कि डी कंपनी के अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी नेटवर्क में दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों हाजी अनीस, छोटा शकील, जावेद पटेल और टाइगर मेमन से जुड़े आतंकवादी शामिल हैं। दाऊद मुंबई में लगातार फंड जुटाने का काम कर रहा है। कासकर के हिरासत की मांग करते हुए एनआईए ने मुंबई की एक विशेष अदालत को बताया कि डी कंपनी ने विस्फोटकों और घातक हथियारों का उपयोग करके राजनेताओं, व्यापारियों और अन्य लोगों सहित प्रतिष्ठित व्यक्तियों पर हमला करने के लिए एक विशेष इकाई की स्थापना की थी। यह ऐसी घटनाओं को भड़काने की योजना बना रहा था, जिससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सहित भारत के विभिन्न हिस्सों में हिंसा हो सकती है।

बता दें कि भारत ने संशोधित यूएपीए के तहत इब्राहिम और शकील को आतंकवादी घोषित किया है। पाकिस्तान, जिसने आतंकवादी को शरण दी थी, ने उसे आधिकारिक तौर पर प्रतिबंधों के तहत रखा है।

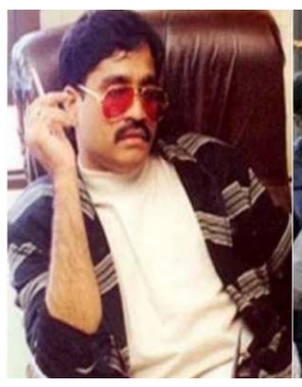

लुटेरी दुल्हन! कर चुकी है 30 शादियां

भोपाल, मध्य प्रदेश में फिल्मी स्टाइल में लोगों को बेवकूफ बनाकर लूटने का मामला सामने आया है।

जो घटना सामने आई है, ऐसी घटना अक्सर फिल्मों में देखने को मिलती है। दरअसल, जबलपुर के सागवाड़ा थाना पुलिस ने एक लुटेरी दुल्हन को गिरफ्तार किया है, जो अब तक ३० लोगों को झांसे में लेकर शादी कर चुकी है। वो शादी के बाद ससुराल से रुपए और गहने लेकर फरार हो जाती है। महिला बाकायदा लुटेरी दुल्हनों का गिरोह चलाती है, जो ऐसी घटनाओं को अंजाम देता है।

अभी एक साल पहले ही महिला को शादी के नाम पर ५ लाख रुपए लेकर भागने के मामले में गिरफ्तार किया गया है, जहां उसने इस तरह की तीस वारदातों का खुलासा किया। सागवाड़ा थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया कि १२ दिसंबर, २०२१ को जोधपुरा निवासी ने एक केस दर्ज करवाया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि जुलाई २०२१ में एक एजेंट ने जबलपुर (मध्य प्रदेश) निवासी एक युवती के साथ उसकी शादी करवाई थी। शादी के एवज में एजेंट और युवती ने उससे ५ लाख रुपए लिए थे। युवती शादी के बाद ७ दिनों तक ससुराल में रही इसके बाद उसके साथ जबलपुर चली गई। वापस आते समय रास्ते में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर उससे मारपीट की और भाग गई।

इसके बाद एजेंट और युवती ने अपने फोन नंबर भी बदल दिए तथा उसके पैसे भी नहीं दिए।

थानाधिकारी के अनुसार मामले की जांच के दौरान पता चला है कि लुटेरी दुल्हन एक गिरोह चलाती है।

रिषभ शर्मा की बतौर हीरो पहली फ़िल्म,'नाराधम' का मुहूर्त के साथ शूटिंग शुरू

चाईल्ड आर्टिस्ट रिषभ शर्मा अब लवस्टोरी फ़िल्म,'नाराधम'के हीरो बने

'आर आर मीडिया' के बैनर तले लवस्टोरी फ़िल्म'नाराधम'का मुहूर्त के साथ शूटिंग की शुरुआत खानवेल रिसोर्ट,सिलवासा में किया गया। जिसका निर्माण प्रीति शर्मा द्वारा किया जा रहा है और इसके निर्देशक अजय बी सहा है।इसके कैमरामैन कमल है। इसके मुख्य कलाकार रिषभ शर्मा, रोशनी व अन्य हैं। रिषभ शर्मा ने अपना कैरियर बतौर चाईल्ड आर्टिस्ट शुरू किया था। उन्होंने फिल्म 'वीर'में सलमान खान के बचपन का, फ़िल्म 'आओ विश करे' में आफताब शिवदासानी के बचपन का तथा धारावाहिक 'मिसेस तेंदुलकर','जय जय जय बजरंगबली' जैसे कई हिट फिल्मों में व धारावाहिकों में काम करने के बाद अब 23 साल की उम्र में बतौर हीरो पहली फ़िल्म 'नाराधम' में काम कर रहे हैं, जो कि एक मसाला से भरपूर रोमांटिक फिल्म है। अब देखना है कि रिषभ फ़िल्म में बतौर हीरो क्या कमाल दिखाते है?

हरियाणाः खाली हो रही राज्यसभा की दो सीटें, एक सीट पर भाजपा-जजपा और एक पर कांग्रेस का दावा

कांग्रेस में सबसे बड़ा नाम पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कुमारी सैलजा का है, इसके अलावा कांग्रेस हाईकमान सुरजेवाला सरीखे बड़े नेताओं को राज्यसभा भेज सकती है।

हरियाणा में खाली हो रही राज्यसभा की दो सीटों के लिए भाजपा-जजपा सरकार और विपक्षी दल कांग्रेस में कड़ी टक्कर होगी। विधायक संख्या के अनुसार एक सीट पर सत्तारूढ़ दलों और दूसरी पर कांग्रेस का दावा मजबूत है। सत्ता पक्ष, विपक्षी विधायकों में सेंधमारी कर कांग्रेस का चुनावी गणित बिगाड़ना चाहेगा। कांग्रेस में गुटबाजी चरम पर है, ऐसे में कुछ भी संभव है। भाजपा सांसद दुष्यंत कुमार गौतम और बड़े उलटफेर के बीच भाजपा के समर्थन से सांसद बने सुभाष चंद्रा का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। खाली होने जा रही इन सीटों पर 10 जून को चुनाव होगा। भाजपा-जजपा और कांग्रेस से राज्यसभा जाने के लिए अनेक नेता लाइन में हैं। कांग्रेस में सबसे बड़ा नाम पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कुमारी सैलजा का है, इसके अलावा कांग्रेस हाईकमान सुरजेवाला सरीखे बड़े नेताओं को राज्यसभा भेज सकती है। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा भी अपने गुट के किसी नेता को राज्यसभा भेजने से चूकना नहीं चाहेंगे। कांग्रेस की अंतर्कलह जगजाहिर है, ऐसे में किसी एक प्रत्याशी पर सर्वसम्मति न बनने पर भितरघात भी हो सकता है। भाजपा-जजपा इसका पूरा मौका उठाना चाहेंगी। सुभाष चंद्रा की तरफ से जून 2016 में लड़े गए राज्यसभा चुनाव में बड़ा उलटफेर हो चुका है। भाजपा के समर्थन से सुभाष निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव मैदान में उतरे थे। विधायकों की संख्या के गणित के हिसाब से यह सीट कांग्रेस-इनेलो समर्थित प्रत्याशी आरके आनंद के खाते में जानी थी, लेकिन मतदान के समय कुछ कांग्रेस विधायकों के पेन की स्याही अलग होने से वोट रद्द कर दिए गए थे, जिससे चंद्रा की लॉटरी लग गई। भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़, पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व शहरी निकाय मंत्री कविता जैन, पूर्व उद्योग मंत्री विपुल गोयल, पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा व प्रदेश प्रवक्ता सुदेश कटारिया के नाम चर्चा में हैं। जजपा अपने कोटे से डॉ. अजय चौटाला का नाम आगे बढ़ा सकती है। इस समय विधानसभा में भाजपा के 40, कांग्रेस के 31 और जजपा के 10, सात निर्दलीय, एक हलोपा और एक इनेलो विधायक है।

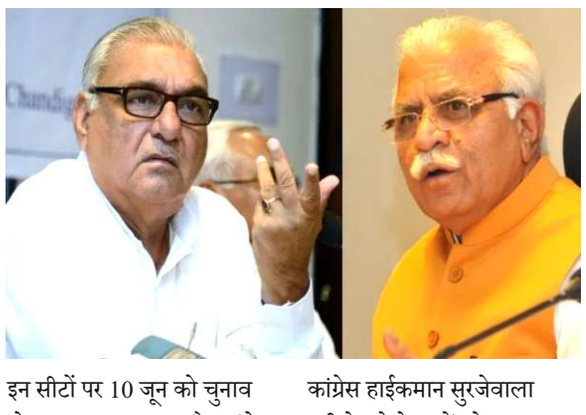

इसके अलावा कांग्रेस हाईकमान सुरजेवाला सरीखे बड़े नेताओं को राज्यसभा भेज सकती है।

मध्य प्रदेश में राज्यसभा की 3 सीटों पर 10 जून को मतदान होगा। गुरुवार को चुनाव आयोग ने चुनाव का कार्यक्रम जारी कर दिया है। प्रदेश में 2 भाजपा और 1 कांग्रेस की सीट खाली हो रही है। चुनाव आयोग के कार्यक्रम के अनुसार 24 मई को चुनाव की अधिसूचना जारी होगी और 31 मई तक नामकंन लिए जाएंगे। 3 जून को नाम वापस लिए जा सकेंगे। 10 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। और शाम को मतगणना होगी। गुरुवार को चुनाव आयोग ने राज्यसभा के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया। प्रदेश में राज्यसभा की 11 सीटें है, जिनमें से 8 सीटें भाजपा और 3 सीटें कांग्रेस के पास है। इनमें से ही 3 सीटें 29 जून को खाली हो रही है। इसमें भाजपा के एमजे अकबर और संपतिया उइके और कांग्रेस से विवेक तन्खा है। विधायकों के मौजूदा संख्या बल के अनुसार 2 सीटें भाजपा और 1 कांग्रेस को ही मिलने की संभावना है। इन सीटों पर दोनों ही दल उम्मीदवारों का चयन आगामी 2023 के चुनाव को देखते हुए जातिगत और सामाजिक आधार पर कर सकते है। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही दलित, ओबीसी चेहरे को मौका दे सकते है। इसमें नए चेहरे को लेकर चर्चा ज्यादा हो रही है। बीजेपी के खाते में राज्यसभा की 2 सीटें आएगी। ऐसे में चर्चा है कि बीजेपी आदिवासी और ओबीसी चेहरे को उतार कर चौका सकती है। वर्तमान सदस्य संपतिया उइके को आदिवासी वर्ग से से होने का लाभ मिल सकता है, लेकिन पार्टी उनको बदल सकती है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।